वर्ष : 18 अंक: 100 | ग्वालियर | सोमवार 12 मई 2025 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

दैनिक
मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छतीसगढ़ से प्रकाशित
चम्बल सुर्खी
उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान
अधिकतम 39 डिग्री
न्यूनतम 27 डिग्री

संक्षिप्त समाचार

बिल्डर को धमकाने के मामले में छोटा राजन 20 साल बाद बरी

मुंबई। केंद्र अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को उस समय झटका लगा, जब एक विशेष कोर्ट ने दो दशक बाद गैंगस्टर छोटा राजन को एक बिल्डर को धमकाने के मामले में बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह आरोप साबित करने में असफल रहा, क्योंकि गवाहों की गवाही में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।हालांकि, छोटा राजन अब भी तिहाड़ जेल में ही रहेगा। वह अभी मुंबई के क्राइम रिपोर्टर ज्योतिर्मय डे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। विशेष न्यायाधीश ए.एम. पाटिल ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष का सबसे विश्वसनीय गवाह भी इस बात को लेकर निश्चित नहीं है कि फोन पर बिल्डर को धमकी देने वाला व्यक्ति वास्तव में छोटा राजन ही था।

मामले की जांच करने वाली सीबीआई ने कहा था कि बिल्डर नंद कुमार हरचंदानी को छोटा राजन के नाम पर कई धमकी भरे फोन आए थे, जिनमें कहा गया था कि वह कुछ कुछ व्यापारियों के बकाया पैसे चुका दे। अभियोजन पक्ष का

जूनियर छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी डॉक्टर को अग्रिम जमानत देने से हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने छह महिला जूनियर डॉक्टरों से छेड़छाड़ के आरोपी सरकारी केईएम अस्पताल के एक वरिष्ठ डॉक्टर को गिरफ्तारी से पूर्व जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा है कि पीड़ितों को हुई भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक पीड़ा पर विचार करना जरूरी है। बंबई उच्च न्यायालय ने 8 मई को केईएम अस्पताल के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर रवींद्र देवकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। अस्पताल में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि देवकर ने उन्हें अनुचित तरीके से छूकर और आपत्तिजनक टिप्पणियां करके परेशान किया। न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की पीठ ने कहा कि देवकर अपने प्रभावशाली पद का फायदा उठाकर लंबे समय से अनुचित व्यवहार कर रहे थे।

भारत-पाक के NSA के बीच बातचीत नहीं हुई-ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं

वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा- पीएम मोदी

नई दिल्ली,ए.।

सूत्रों के हवाले से बताया कि सीजफायर के पहले भारत और पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और विदेश मंत्रियों के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। दोनों देशों के आर्मी ऑपरेशन महानिदेशकों (DGMO) के बीच ही बातचीत हुई थी। पाकिस्तान से जंग के हालात के बीच पीएम मोदी ने कहा था, वहां से अगर गोली चली तो हम यहां से गोला चलाएंगे। कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मामला बचा है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की वापसी। बात करने के लिए और कुछ नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो बात कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। हालांकि न्यूज एजेंसी ANI ने यह नहीं बताया कि पीएम ने यह बात कहां और कब कही थी। ANI ने सोर्स के हवाले से बताया कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, हम नए सामान्य दौर में हैं। दुनिया को इसे स्वीकार करना होगा। पाकिस्तान को इसे स्वीकार करना होगा, यह हमेशा की तरह नहीं चल सकता।3 भारत ने दुनिया को साफ कर दिया है कि हम पीड़ित और अपराधियों को एकसाथ नहीं रख सकते। बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के हेडक्वॉर्टर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया गया। जैश-ए-मोहम्मद को ढ्ढस्ढ्ढ ने बनाया था। वहां सबसे ज्यादा ताकतवार हथियार का इस्तेमाल किया गया। यह भारत का पाकिस्तान को बड़ा संदेश था।

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक पीड़ितों को इंसाफ दिलाया-राजनाथ

लखनऊ में ब्रह्मोस यूनिट की शुरुआत; कहा- इस मिसाइल की धमक रावलपिंडी तक सुनाई दी

लखनऊ,ए.।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का वर्चुअली इनॉगरेशन किया। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी, कहा- भारतीय सेना ने पराक्रम दिखा दिया है। आतंकवाद के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। रक्षा मंत्री ने कहा- हमने कभी उनके आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक इलाकों, मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों पर हमले का प्रयास किया। तब भारतीय सेना ने शौर्य और संयम के साथ उत्तर दिया। पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया।

संघर्ष विराम पर ओवैसी का सवाल

क्या अमेरिका गारंटी देगा पाकिस्तान अपनी जमीन आतंकवाद के लिए इस्तेमाल नहीं करेगा

नई दिल्ली,ए.।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि युद्ध विराम हो या न हो, भारत को पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पीछा करना जारी रखना चाहिए। जब तक पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक शांति नहीं हो सकती। हैदराबाद के सांसद ओवैसी ङ्क पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी इच्छा है कि युद्ध विराम की घोषणा किसी विदेशी राष्ट्रपति के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करनी चाहिए थी। ओवैसी ने यह भी कहा कि क्या अमेरिका यह गारंटी देता है कि पाकिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवाद के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगा।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान के परमाणु हथियार नष्ट करने पर सोचे

औवेसी ने कहा कि पाकिस्तान पूरी दुनिया के लिए खतरा है। किसी न किसी समय, दुनिया के नेताओं को यह तय करना होगा कि क्या इस देश को परमाणु हथियार रखने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं। इस देश में परमाणु हथियारों को नष्ट किया जाना चाहिए। दुर्भावना की पराकाष्ठा इतनी है कि उन्होंने श्रीनगर में हॉस्पिटल्स को निशाना बनाया। इस समय, हमें अपनी सेना के पीछे खड़ा होना चाहिए और पाकिस्तानी दुष्प्रचार को विफल करना चाहिए।

CBI ने हैदराबाद के इनकम टैक्स कमिश्नर और शापूरजी ग्रुप के एग्जीक्यूटिव को गिरफ्तार किया; 70 लाख की रिश्वत ली थी

नई दिल्ली,ए.।

सीबीआई ने हैदराबाद के आयकर आयुक्त (एक्सेप्शन) जीवन लाल लाविडिया को 70 लाख रुपए की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया है। जीवन लाल पर शापूरजी पल्लोनजी (एसपी) ग्रुप के पक्ष में एक अपील का निपटारा करने के लिए रिश्वत लेने का आरोप में गिरफ्तार किया है। भारतीय राजस्व सेवा के 2004 बैच के अधिकारी लाविडिया को शापूरजी पल्लोनजी (एसपी) ग्रुप के DGM (टैक्सेशन) विरल कांतिलाल मेहता, साईराम पालीसेट्टी, नट्टा वीरा नागा श्री राम गोपाल और साजिदा मजहर हुसैन शाह के साथ गिरफ्तार किया गया है।

कांग्रेस का पोस्टर- इंदिरा होना आसान नहीं

राहुल बोले- सरकार संसद सत्र बुलाए, पायलट बोले- वॉशिंगटन से सीजफायर का ऐलान सवाल खड़े करता है

नई दिल्ली,ए.।

भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर का ऐलान किया गया। एक दिन बाद कांग्रेस ने दिल्ली में हेडक्वॉर्टर के बाहर इंदिरा होना आसान नहीं वाला पोस्टर लगाया। इस पोस्टर के साथ ही 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के सरेंडर वाली तस्वीरें भी लगाईं। पोस्टर में इंडिया मिस इंदिरा (भारत इंदिरा को याद कर रहा है) की बात भी लिखी गई। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने का अनुरोध किया है। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने भारत-पाक के बीच अमेरिका की मध्यस्थता को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा- अमेरिका दो दिन पहले कहता है कि इस मसले से उसका कोई लेना देना नहीं है, फिर अचानक वॉशिंगटन से सीजफायर की घोषणा होती है, जो कई सवाल खड़े करती है। पायलट बोले- सरकार बताए कि सीजफायर किन शर्तों पर हुआ है सचिन पायलट ने भी कहा- भारत सरकार को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए और जो पिछली दो मीटिंग में नहीं हुआ। उस पर बात करनी चाहिए।

पंजाब में आज स्कूल-कॉलेज खुलेंगे: पुलिस ने 2 पाकिस्तानी जासूस पकड़े

पंजाब

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के ऐलान के बाद पंजाब से सटे पाकिस्तान बॉर्डर पर हालात सामान्य होने लगे हैं। शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने कहा कि सभी बंद स्कूल और कॉलेज कल (12 मई) से खुल जाएंगे। हालांकि, अमृतसर के ष्ठष्ट ने जिले में सभी स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। अमृतसर, फिरोजपुर, फाजिल्का, तरनतारन, पठानकोट और गुरदासपुर में लोगों ने बॉर्डर से सटे गांव खाली कर दिए थे। अब वे घर लौटने लगे हैं। पठानकोट और जम्मू बॉर्डर पर भी बाजार खुल गए हैं। फिरोजपुर में 8 ट्रेनों को सामान्य रूप से चलाने के आदेश जारी किए गए हैं। इनमें कुछ ट्रेनों का समय बदला गया था और कुछ ट्रेनें बंद की गई थीं। इसके अलावा, रविवार को मालेरकोटला में 2 पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया गया है। ये भारतीय सेना की मूवमेंट की जानकारी पाकिस्तान के हाई कमीशन को भेज रहे थे। वहीं, जालंधर में सेना की वर्दी में 4 संदिग्ध देखे गए हैं। इन्होंने मंदिर में पहुंचकर पुजारी से खाना-पानी मांगा था। इसके बाद इसे पुलिस इनकी तलाश में जुटी हुई है।

सेना ने कहा-पाकिस्तान ने सीजफायर तोड़ा तो तगड़ा जवाब

ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन के 40 सैनिक-अफसर मारे; 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए

नई दिल्ली,ए.।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार को तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (DGMO) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और क्कशय स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे। 7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया।

इसके बाद हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए। बॉर्डर और LOC पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं। सेना ने कहा, पाकिस्तान आर्मी और एयरफोर्स ने हमारी सीमा में घुसपैठ नहीं की।

युवाओं को रोजगार देकर स्वावलम्बी प्रदेश बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

150 से अधिक कंपनियों ने दिए रोजगार के अवसर

लगभग 20 हजार युवाओं ने कराया पंजीयन

भोपाल,ब्यूरो।

इंदौर में महापौर मेगा रोजगार मेला को मिला बेहतर प्रतिसाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे राज्य का युवा सक्षम, योग्य और आत्म-निर्भर बने यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि रोजगार और स्वरोजगार देकर स्वावलम्बी समाज और स्वावलम्बी प्रदेश बनाया जाये। इस दिशा में हम तेजी से लगातार आगे बढ़ रहे है। प्रदेश में हर क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिये तेजी से प्रयास किये जा रहे है, चाहे वह परम्परागत दुग्ध पालन का क्षेत्र हो या आधुनिक आईटी का क्षेत्र। प्रदेश में रोजगार आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिये इंड्रस्टी कॉन्क्लेव व्यापक स्तर पर आयोजित की गई। इसके बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज रविवार को दशहरा मैदान, इंदौर में आयोजित महापौर मेगा रोजगार मेला के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोजगार मेले को मिले बेहतर प्रतिसाद की सराहना की और कहा कि ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से सरकार और प्रशासन युवाओं को अवसर, मंच और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। उन्होंने युवाओं को रोजगार देने की दिशा में इंदौर जिले में हर एक पंचायत में स्थापित किये गये उद्योग लगाने के अभियान की भी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि इंदौर जिले में अभियान चलाकर सभी पंचायतों में उद्योग स्थापित कराने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से कहा कि आज का युग कौशल का है। डिग्री के साथ व्यवहारिक ज्ञान और संवाद कौशल भी ज़रूरी हैं। मुझे गर्व है कि इंदौर ने इस दिशा में एक अनुकरणीय पहल की है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे इन अवसरों का लाभ उठाएँ और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएँ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-पाकिस्तान संबंधों और सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि देश अब पहले जैसा नहीं रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति, रणनीति और तकनीकी क्षमता से यह सिद्ध कर दिया है कि हम शांति चाहते हैं, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर करारा जवाब देना भी जानते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने एक नई दिशा प्राप्त की है। आज भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई भारत को छेड़ने की गलती करता है, तो उसे हम कभी छोड़ते नहीं हैं। हमारी सेनाएं अब पारंपरिक युद्ध पद्धतियों से आगे बढ़कर अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रही हैं।

इससे दुश्मनों को हर मोर्चे पर

एकता, सदभाव के साथ आपात स्थिति से निपटने सिविल डिफेंस की बैठक आयोजित

वॉलेटियर के लिए पंजीयन शुरू, प्रत्येक वार्ड और पंचायतों से लिये जायेगे

स्वयंसेवक, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न डालें-डीएम

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने नागरिक एवं आंतरिक सुरक्षा को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एकता सदभाव के साथ हर प्रकार की आपात स्थिति से निपटा जायेगा। नागरिकों की सुरक्षा बहुत जरूरी है, शासन के दिशा निर्देशो के अनुरूप सिविल डिफेंस के लिए सभी उपाय सुनिश्चित किये जा रहे है। उन्होने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट न डाली जाये, अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही की जायेगी। जिला पंचायत सभागार में आयोजित सिविल डिफेंस की बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र जैन, डीएफओ श्री केएस रंधा, सहरिया विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा श्री सीताराम आदिवासी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शंशाक भूषण, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री कैलाशनारायण गुप्ता, श्री अशोक गर्ग, श्री गोपाल आचार्य, जनपद अध्यक्ष कराहल श्रीमती बत्तो बाई आदिवासी, शहरकाजी श्री अतीक उल्ला कुरैशी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री ओम राठौर, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष श्रीमती मिथलेश तोमर, श्री सुजीत गर्ग, श्री दिनेश दुबोलिया, श्री मोहम्मद चीनी कुरैशी, श्री जमील अहमद, श्री मोहम्मद साबीर, श्री अखिलेश भदौरिया, श्री कृष्णकांत उपाध्याय, सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, एडिशनल एसपी श्री प्रवीण भूरिया सहित एसडीएम, एसडीओपी तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि सिविल डिफेंस के तहत सभी नागरिकों को आंतरिक सुरक्षा के संबंध में किये जाने वाले उपायो से अवगत कराया जायें। उन्होने कहा कि घबराने की अथवा डर की कोई जरूरत नही है, बल्कि यह सभी हमारी सुरक्षा की तैयारी के लिए किया जा रहा है। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दिया जायें। अफवाह फेलने पर सभी जिम्मेदार नागरिक सच्चाई से लोगों को अवगत करायें। उन्होने जानकारी दी कि सिविल डिफेंस के तहत वॉलेटियर का पंजीयन किया जा रहा है, इसके लिए फार्म इश्यु कर दिये गये है, प्रत्येक वार्ड एवं ग्राम पंचायत से 5-5 वॉलेटियर चयनित किये जायेगे, जिन्हें उनकी रूचि अनुसार 12 प्रकार के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसके लिए शासन द्वारा सीडी वॉरियर के नाम से पोर्टल भी लांच किया जा रहा है, जिस पर सीधे ही पंजीयन कराया जा सकेगा। एक्स आर्मी मैन, रिटायर्ड पुलिसकर्मी, एनसीसी, एनएसएस एवं स्काउट गाइड के 18 वर्ष से अधिक आयु के युवा अथवा कोई भी नागरिक वॉलेटियर बन सकता है तथा अपनी रूचि अनुसार 12 सेवा क्षेत्रो में से कोई एक चुन सकता है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि एहतियात के रूप में सुरक्षा की दृष्टि से श्योपुर, कराहल, बडौदा, विजयपुर, वीरपुर आदि स्थानों पर सायरन लगाये जा रहे है, एयर जोन में खतरा होने की स्थिति में सायरन के माध्यम से सूचना दी जायेगी, जिसके तहत नागरिक अपने आप को सुरक्षित कर लें। इसके अलावा खतरा टलने पर फिर से सायरन बजाकर सूचित किया जायेगा। खतरे के लिए बबलिंग करते हुए आवाज का सायरन बजेगा जबकि खतरा टलने पर एक जैसी आवाज में सायरन बजाया जायेगा। उन्होने कहा कि रात के समय ब्लैकआउट के संबंध में भी सूचना दी जा सकेगी। सायरन के साथ-साथ माईक के माध्यम से भी सूचना प्रदान की जायेगी। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र जैन ने कहा कि सिविल डिफेंस अधिनियम-1968 एवं सिविल डिफेंस रेग्यूलेशन-1968 में नागरिक सुरक्षा हेतु स्वयंसेवको के रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन लिये जायेगे, इसके अलावा पोर्टल पर भी पंजीयन किया जा सकता है। उन्होने कहा कि नागरिक एवं आंतरिक सुरक्षा के तहत हम आपात स्थिति में उठाये जाने वाले सुरक्षात्मक कदमो के लिए तैयारियां कर रहे है, इसमें घबराने की कोई आवश्यकता नही है। उन्होने कहा कि पुलिस द्वारा सतत् रूप से होटल, लॉज, धर्मशालाओं की चैकिंग करेगी तथा शहर के मुख्य मार्गो पर भी अभियान चलाया जायेगा, कोई बाहरी व्यक्ति अथवा संदिग्ध व्यक्ति दिखता है तो नागरिक इसकी सूचना संबंधित थाने को प्रदान करें। सायबर अटैक के दृष्टिगत किसी भी अपरिचित लिंक एवं नंबर पर प्रतिक्रिया न दें। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा भी आवश्यक एवं उपयोगी सुझाव दिये गये।

कलेक्टर ने सभी विभागों को किया सजग

आकस्मिक परिस्थिति में सेवाएं देने के लिए रहें तत्पर

श्योपुर ब्यूरो। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन द्वारा रविवार को वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से वर्तमान आकस्मिक परिस्थितियों के दृष्टिगत जिलों में आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। वीडियो कॉफ्रेंस के उपरांत कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र जैन ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर वर्तमान आकस्मिक परिस्थितियों के दौरान विभागवार की गई तैयारियों की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्र एवं ग्राम पंचायत स्तर पर वालेंटियर्स की सूची तैयार की जाए। साथ ही अग्निशमन टेंकर्स, फायर ब्रिगेड भी चालू हालत में रखे जाएं। सामुदायिक भवनों को दुरूस्त कर उनकी जानकारी भी तैयार रखी जाए। स्वास्थ्य विभाग का अमला सेवाएं देने के लिए पूरी तरह मुस्तैद रहे। अस्पतालों में दवाईयां एवं उपचार सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता रहे। निजी चिकित्सालयों की सेवांए भी आवश्यक सेवाओं में शामिल की जाएं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्त दाताओं की अद्यतन सूची तैयार रखी जाए। सभी जगह सायरन से संकेत देने की व्यवस्था रहे। बेसमेंट, स्कूल, कॉलेज भवनों, सामुदायिक भवनों, छात्रावासों को आश्रय स्थल के रूप में चिन्हित करके रखा जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विशेष परिस्थिति को छोडकर किसी भी अधिकारी कर्मचारी के अवकाश पर प्रतिबंध रहेगा। सभी अधिकारी कर्मचारी को मुख्यालय पर अनिवार्य रूप से रहना जरूरी है। उन्होने कहा कि पर्याप्त खादय सामग्री, पेट्रोल-डीजल, घरेलू गैस इत्यादि उपलब्ध रहें। लोग खादय सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का अनावश्यक भण्डारण नहीं करें। लोक स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि आपात स्थिति में पेयजल की पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध रहे तथा विधुत की आपूर्ति भी सुनिश्चित की जायें।

पब्लिक एड्रेस सिस्टम को पर्याप्त संख्या में चालू स्थिति में रखा जाए। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र जैन ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि इंटेलीजेंसी बढाई जायें तथा बाहरी एवं असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जायें। नियमित रूप से होटल एवं लॉज, धर्मशालाओं की चैकिंग की जायें। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जायें। सोशल मीडिया पर पूर्ण निगरानी रखे तथा देश के विरूद्ध भड़काउ पोस्ट अथवा सामग्री पर तुरंत कानूनी कार्यवाही करें। अफवाह फेलाने वालो पर भी कडी कार्यवाही की जायें, थाना स्तर पर तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों के साथ बैठक आयोजित की जायें।

बटाईदारों को बिजली चोरी के प्रकरण में शामिल न करें-सांसद श्री तोमर

मानपुर में नवीन विधुत सब स्टेशन का प्रस्ताव तैयार किया जायें

श्योपुर ब्यूरो। क्षेत्रीय सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि बिजली चोरी के प्रकरणों में बटाईदारों को शामिल न किया जायें, यदि ट्यूबवैल का बिल जमा नही किया गया है तो नियमानुसार भूमि स्वामियों से बकाया राशि की वसूली की जायें।

इसके साथ ही उन्होने मानपुर में नवीन विधुत सब स्टेशन का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिये। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर की अध्यक्षता में आयोजित एमपीईबी की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा, विधायक श्योपुर श्री बाबू जण्डेल, विजयपुर श्री मुकेश मल्होत्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शंशाक भूषण, सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, एसी श्री आरके सक्सैना, श्री जयदीप तोमर, श्री सिराज दाउदी सहित विधुत विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर ने समीक्षा बैठक के दौरान निर्देश दिये कि ट्यूबवैल पम्प के लिए सर्वे करायें तथा विधुत लोड के अनुसार बिजली बिल प्रदान किये जायें। उन्होने सेसईपुरा के बडा सहराना में डीपी शिफ्टिंग करने के साथ ही विधुत अधिनियम की धारा 135 के पंजीकृत प्रकरणों की सूची उन्हें उपलब्ध कराई जायें। बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि आरडीएसएस योजना के प्रथम चरण में हिरनीखेडा, पच्चीपुरा एवं खैरघटा में विधुत सब स्टेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा मेखडी और सलापुरा में कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार चकासन, कनापुर, बडौदा, गढी एवं जाटखेडा में अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना की गई है। सोईकला, आवदा, रतोदन एवं विजयपुर में पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढाई गई है।

इसी प्रकार आरडीएसएस योजना के द्वितीय चरण में सायपुरा, जाखदा जागीर, श्रीपुरा, बुढेरा, रानीपुरा, मेवाडा, रायपुरा, बरोली, करिरिया, बावडी मंदिर जावदेश्वर, आमल्दा, ढीमचौतरा, ओछापुरा एवं ककरधा में नवीन विधुत सब स्टेशन के कार्य शामिल किये गये है। इसके अलावा 24 ग्रामों में अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापना तथा 18 ग्रामों में पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि के कार्य लिये गये है।

रूद्रभिषेक के साथ श्री हजारेश्वर महादेव मेले का शुभारंभ, भजन संध्या 15 कोई

श्योपुर ब्यूरो। श्योपुर के प्राचीन श्री हजारेश्वर महादेव मेले का आज श्री हजारेश्वर महादेव मंदिर पर रूद्राभिषेक एवं दीप प्रज्जवलन के साथ शुभारंभ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेनू सुजीत गर्ग, उपाध्यक्ष नगर पालिका श्री संजय महाना, मेला अध्यक्ष श्रीमती नाथी बाई, अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री सुजीत गर्ग, पार्षद गण श्री विष्णु पाराशर, श्री राजेंद्र मित्तल, श्री जुगल मेहरा, श्री अकबर अली दाउदी, श्री खालिद फारूकी, पूर्व पार्षद श्री दीपचंद रैगर, श्री विकास अग्रवाल, सीएमओ श्री राधे रमन यादव, मेला अधिकारी श्री आदित्य चौहान, सहायक मेला अधिकारी श्री मनोज कुमार सिंघल, श्री शिवराज सिंह चौहान, श्री कृष्ण गोपाल शर्मा, श्री इस्लाम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। मेला अधिकारी श्री आदित्य चौहान ने बताया कि मेले का औपचारिक शुभारंभ 15 मई 2025को होगा।इस अवसर पर मेला रंग मंच पर प्रसिद्ध भजन गायक श्री हेमंत बृजवासी द्वारा भजनो की शानदार प्रस्तुती दी जायेगी।

बालीवुड के प्रसिद्ध ग्रुप साजिद वाजिद की प्रस्तुती 25 मई को

श्योपुर जिला स्थापना दिवस 25 मई के अवसर पर आयोजित गौरव दिवस उत्सव पर बालीवुड के प्रसिद्ध संगीतकार साजिद वाजिद ग्रुप द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुती दी जायेगी।

25 मई को गौरव दिवस का आयोजन मेला रंगमंच पर होगा। इसके साथ ही 31 मई को अखिल भारतीय मुशायरे का तथा 7 जून को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

प्री-एक्टिवेटेड सिम मिली तो होगी कार्यवाही

सिम बेचने का पूरा ब्यौरा संधारित करें

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने टेलीकॉम कंपनियों के स्थानीय प्रतिनिधियों को निर्देश दिये कि रिटेल आउटलेट सहित अन्य स्थानों से सिम बेचने का पूरा ब्यौरा संधारित किया जाये तथा टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निर्देशो के अनुरूप दस्तावेज लिये जायें एवं रजिस्टर संधारित किया जायें। उन्होने कहा कि किसी भी थोक अथवा रिटेल विक्रेता के यहां प्री-एक्टिवेटेड सिम मिली तो एफआईआर दर्ज करते हुए कार्यवाही की जायेगी। जिला पंचायत सभागार में आयोजित बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र जैन, सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, एडिशनल एसपी श्री प्रवीण भूरिया, बीएसएनएल श्री आंनद बाबू, डीजीएम श्री धर्मेन्द मीणा सहित सभी एसडीएम, एसडीओपी, थाना प्रभारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा टेलीकॉम कंपनियों के स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने निर्देश दिये कि सिम बेचते समय सिम खरीदने वाले उपभोक्ता का सत्यापन आधारकार्ड के साथ ही फेस रिकॉगनेशन के माध्यम से किया जायें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही हुई तो कडी कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही बेची गई सिम का रजिस्टर संबंधित थाने को अवलोकन कराया जायें। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र जैन ने निर्देश दिये कि जिले में संचालित सभी टेलीकॉम कंपनियां अपने रिटेलर को यह हिदायत आवश्यक रूप से प्रदान करें कि संतुष्टि तथा नियमों एवं दस्तावेजो की पूर्णता के बाद ही सिम प्रदाय करें तथा उसे एक्टिवेट करें, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को सिम न दें, प्रत्येक तीन दिन में बेची गई सिम के उपभोक्ताओं की सूची सबंधित थाने को उपलब्ध कराई जायें।

रक्तदान महादान हे इससे लोगो को जीवन मिलता हे अंजना बंसल

सेना के जवानों के लिए नगर परिषद कैलारस ने किया 25 यूनिट रक्तदान

कैलारस। देश की रक्षा में तैनात सैनिकों एवं जरूरत मंद पीड़ित मानव सेवा के लिए आज नगर परिषद कैलारस की अध्यक्ष अंजना ब्रजेश बंसल द्वारा नगर परिषद एवं आम जन के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैलारस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 25 यूनिट रक्तदान रक्तदाताओं ने दान किया इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष अंजना ब्रजेश बंसल ने कहा कि रक्तदान महादान हे इससे लोगो को जीवन मिलता हे पीड़ित मानव की सेवा होती हे और देश की सीमा पर तैनात जवानों को भी इसकी युद्ध के चलते जरूरत होती हे, आज भारत पाक युद्ध चल रहा हे आगे की परिस्थिति क्या होंगी यह कोई नहीं जानता हे हमें अपने सैनिकों की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर अपने रक्त की एक एक बूंद देने के लिए संकल्पित रहना हे क्योंकि आज मोदी जी के नेतृत्व में हमारे जवानों ने सीमा पर पाकिस्तान को जो करारा जवाब दिया हे उससे आज हर देश वासी का सिर गर्व से ऊंचा हो गया हे , हिन्दू धर्म में भी गोदान कन्यादान पिंडदान ये तीन दान बताए हे और इन सबसे बड़ा रक्तदान हे क्योंकि इससे लोगो का जीवन बचाया जा सकता हे इस अवसर पर, भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह नगर परिषद अध्यक्ष अंजना बंसल, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ब्रजेश बंसल, भाजपा नेता सियाराम सिंह सिकरवार नगर परिषद उपाध्यक्ष सीमा अशोक राणावत, पूर्व जनपद अध्यक्ष रामहेत धाकड़ नगर परिषद सीएमओ सुरेश गोयल ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ एस आर मिश्रा, भाजपा मंडल के उपाध्यक्ष अशोक राणावत, पार्षद दिनेश हरदेनिया डॉ शम्मा कुरेशी, कल्लू कुशवाह, पूरन शिवहरे भाजपा नेता लला सिकरवार दिनेश जादौन, जीत प्रजापति ब्लड बैंक टीम के डॉ लव सिंह तोमर, विजय राजपूत, श्याम शिवहरे नगर परिषद कर्मचारी राम सिया, साहिल खान बाबूलाल चंद्र मोहन मौजूद रहे

रक्तदान करने वालों में यह रहे शामिल

अशोक सिंह राणावत विवेक सिंह राणावत, जितेंद्र सिंह परमार, रवि सिकरवार कुलदीप गुप्ता, विनोद शर्मा शम्मा कुरेशी, फखरुद्दीन खान, विशाल सोलंकी मनोज सिंह सिकरवार लला, विजय वाल्मीक, विवेक शर्मा, शाहबुद्दीन खान, अमृतलाल, रोहित श्रीवास घनश्याम बंसल, रामकुमार सोलंकी अभिनव गर्ग रामेश्वर कुशवाह विक्की गुप्ता, रामकुमार गुप्ता हरेंद्र गुर्जर, कु मुस्कान बंसल केतन गुप्ता, आर्यन गोयल,सहित 25 लोगों ने किया रक्तदान इसमें नगर परिषद अध्यक्ष की बिटिया कु मुस्कान बंसल एवं उपाध्यक्ष के पति अशोक राणावत एवं बेटे विवेक राणावत भी रक्तदान में शामिल रहे।

समाज में समरसता समानता का भाव जागृत करने के लिए शंकराचार्य के संदेश को घर-घर पहुंचाएं : सुरेश शर्मा

कैलारस। भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के महान दार्शनिक, आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती के पावन अवसर पर जन अभियान परिषद, विकासखंड पहाड़गढ़ द्वारा एक विचारगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं जनजागरूकता का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट बालक उच्चतर माध्यमित विद्यालय कैलारस में बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं शंकराचार्य जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अध्यात्म विचारक सुरेश शर्मा उपस्थित रहे। जिन्होंने **विचारगोष्ठी :** इसमें वक्ताओं ने आदि गुरु शंकराचार्य जी के जीवन, उनके द्वारा प्रतिपादित अद्वैत वेदांत सिद्धांत, देशभर में स्थापित चार पीठों एवं समाज सुधार में उनके योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि शंकराचार्य जी ने केवल 32 वर्ष की आयु में पूरे भारतवर्ष में ज्ञान, भक्ति और वैराग्य की ज्योति प्रज्वलित की। समाज सेवी लल्ला सिंह सिकरवार पतंजलि सेवा केंद्र द्वारा भी युवा जागरूकता- कार्यक्रम में युवाओं को भारतीय दर्शन, वेदांत और नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा शंकराचार्य जी के श्लोकों एवं स्तोत्रों का उच्चारण किया गया। स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता- इस अवसर पर जल संरक्षण पर शपथ दिलाई एवं पौधारोपण अभियान भी चलाया गया, जिसमें विकासखंड के ग्राम विकास कार्यकर्ता, नवाचारकर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। उल्लेखनीय उपस्थिति- कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के खण्ड समन्वयक अलकेश सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र सिंह परिहार, समाजसेवी नवांकुर संस्था सुजानगढ़ी अध्यक्ष उदय सिंह धाकड़,नवांकुर संस्था धूरकुडा अध्यक्ष रामनिवास धाकड़ एवं परामर्शदाता अजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, जितेंद्र धाकड़, धर्म सिंह कुशवाह, शत्रुघ्न धाकड़ एवं सभी छात्र सम्मिलित रहे !

कार्यक्रम का संचालन उदय सिंह धाकड़ द्वारा किया गया

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री विकासखंड समन्वयक अलकेश सिंह ने कहा कि शंकराचार्य जी का जीवन आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने और भारतीय संस्कृति के प्रति गौरवबोध जगाने का कार्य करते हैं।

आदिवासी समुदाय के 112 जोड़ों का हुआ सामुहिक विवाह

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

बीरपुर। शिवपुरी जिले की बैराड़ तहसील की ग्राम पंचायत पतेवरी मे आदिवासी समाज के 112 जोड़ों का सामूहिकविवाह सम्मेलन आयोजित किया गया।जिसमें सभी जोड़ों को मोटरसाइकिल, फ्रिज, कूलर टीवी गैस पलंग अलमारी बर्तन सहित गृहस्थी का हर सामान उपहारस्वरूप दिया गया। सहरिया समाज आयोजक समिति द्वारा आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि श्री तुरसनपाल बरैया (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण अध्यक्ष, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती पोहरी पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा कैलाश कुशवाहा सरपंच अमरचंद धाकड़ राजेंद्र आदिवासी आयोजक समिति अध्यक्ष राजेंद्र आदिवासी उपाध्यक्ष मोहरसिंह सचिव, दामोदर आयोजक समिति के सभी सदस्यों सदस्य एवं समाज के सभी वरिष्ठ जनों का भरपूर सहयोग रहा।

ब्लॉक क्रीड़ा प्रभारी ने किया समर कैम्प का निरीक्षण

सबलगढ। विकास खण्ड क्रीड़ा प्रभारी श्री बीरभान सिंह जादौन ने कन्या उ, मा, बि,सबलगढ़, बालक उ मा बि रामपुर, कन्या उ मा बि रामपुर, हाई स्कूल पी एम श्री जलालगढ़ में समर कैंप का निरीक्षण किया। सभी विद्यालयों मे समर कैंप आयोजित मिला जिनमें विभिन्न प्रकार की गति विधियां जैसे प्रशिक्षकों द्वारा स्थानीय खेलकूद साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इंग्लिश स्पीकिंग कई प्रकार की विधाओं का प्रशिक्षण संचालित मिला।

बधाई की पात्र है सबलगढ़ पुलिस- कैलाश मित्तल

सबलगढ़। अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने सबलगढ़ के व्यवसाई मनोज गोयल के लुटेरों को गिरफ्तार कर लूट बरामद होने पर पुलिस एवं प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहाहै कि इस नेक कार्य के लिए सबलगढ़ पुलिस बधाई की पात्र है। श्री मित्तल ने सबलगढ़ एवं मुरैना जिले के महासभा के पदाधिकारियों,समाज बंधुओं,पत्रकार बंधुओं का भी आभार व्यक्त किया हैं।

मेला देखने गए युवक पर हमला,मारपीट का मामला दर्ज

विजयपुर। विजयपुर में बाइक रखने के विवाद पर कुछ युवकों ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी।बताया गया है कि विजयपुर के नेहरू नगर निवासी नीतेश शर्मा पुत्र मोहन शर्मा उम्र 25 साल शनिवार को सायंकाल 7 बजे सुनवई रोड पर मेला देखने गया था।उसकी बाइक के आगे कुछ अन्य युवकों ने बाइक खड़ी कर दी।बाइक निकालने के विवाद में दोनों में झगड़ा हो गया जो मारपीट में बदल गया। थानाप्रभारी राकेशशर्मा ने बताया कि फरियादी नीतेश शर्मा की रिपोर्ट पर आरोपी रवि पुत्र पुरुषोत्तम रावत, राजेंद्र रावत व अन्य 4- 5 युवकों के खिलाफ मामलादर्ज किया गया है।

सबलगढ़ शहरी द्वितीय फीडर की बिजली आज 5 घण्टे बन्द रहेगी

सबलगढ़। सबलगढ़ शहर द्वितीय फीडर की बिजली सप्लाई आज सोमवार को सुबह 11 बजे से सायंकाल 4 बजे तक बन्द रहेगी।उक्त जानकारी देते हुए बिजली कम्पनी की शहर प्रबंधक सुश्री पूजा जैन ने बताया है कि आवश्यक रखरखाव के कारण उक्त फीडर की बिजली सप्लाई 5 घण्टे तक बन्द रहेगी।आवश्यकता के अनुसार समय घटाया बढ़ाया जा सकता है।उन्होंने बताया है कि बिजली बंद होने से पंजाबीबाग,चंबल कॉलोनी,सुनहरा,बद्दपुरा,मण्डी सन्तर 4,भट्ठा वाली गली,जेल के पीछे,रामपुर रोड आदि क्षेत्रों की बिजली बंद रहेगी।

एनसीसी कैडिटों ने किया फायरिंग का अभ्यास, ड्रिल भी सीखी

ग्वालियर। वार्षिक प्रशिक्षण के छठवे दिन नेवल यूनिट के एनसीसी कैडिट को फायरिंग का अभ्यास कराया गया। साथ ही कैडिट्स ने ड्रिल भी सीखी। ग्वालियर के विद्या भवन पब्लिक स्कूल में 3 म.प्र. नेवल यूनिट एनसीसी द्वारा वार्षिक प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है। गत 6 मई से शुरू हुआ यह शिविर 15 मई तक चलेगा। इस शिविर में 135 बॉयज एनसीसी कैडेटस तथा 98 गर्ल्स कैडिट भाग ले रहे है। यह शिविर कैडेटस के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। शिविर के छठवे दिन सुबह 6 बजे शारीरिक व्यायाम का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद कैडिटों को ड्रिल का अभ्यास पीआई स्टाफ विजय शर्मा (पीओ) के द्वारा कराया गया जो कि सभी प्रकार के नोसैनिक कंप्टीशन के लिये आवश्यक है। ड्रिल रिपब्लिक डे परेड में की जाती है इसलिये कैडिटों को ड्रिल की बारिकियों से अवगत कराया गया। ड्रिल अभ्यास के उपरांत कैडिटों को एस.ए.एफ. मैदान पर फायरिंग की बारीकियाँ सिखाई गई और फायरिंग का अभ्यास भी कराया गया। इसमें कैडिटों ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया और दिए गये लक्ष्य पर निशाने साधे। फायरिंग का समस्त अभ्यास नेवल चीफ इंस्ट्रक्टर श्री मुकेश कुमार, पीओ (जीडब्ल्यू) पीआई स्टाफ श्री अशोक सिंह तथा पीआई स्टाफ श्री बाबूलाल के सानिध्य में हुआ। इस अवसर पर शिविर कैम्प कमांडेन्ट कमांडर-एट-आर्म्स श्री दीपक सिंह भदौरिया के द्वारा कैडिटों को मोटीवेशनल स्पीच दी गई जो कि कैडिटों के निकट भविष्य में कैरियर संवर्धन में सहायक होगी। डिप्टी कैम्प कमांडेन्ट ले. कमांडर अखिल शर्मा द्वारा जीवन में अनुशासन के महत्व पर संबोधन दिया गया। उन्होने बताया कि, जीवन में आगे बढने के लिए अनुशासन की नितांत आवश्यकता होती है। दोपहर में विभिन्न विषयों जैसे नेवल कम्यूनिकेशन, नेवीगेशन, शिप मॉडल (पोत प्रतिरूप) का निर्माण तथा नेवल सिग्नेलिंग की कक्षाओं का आयोजन किया गया। इसके बाद कैडिटों को मिलिट्री अस्पताल मुरार से कैप्टन श्री वरिन्दा शर्मा के द्वारा गंभीर जानलेवा बीमारियों जैसे कि कैंसर, एड्स/एचआईवी, थैलीसीमिया तथा सिकल सैल एनीमिया के बारे में व्याख्यान दिया गया। उन्होने कैडिटों को इन बीमारियों कारक व कारणों को विस्तार से बताया तथा इसकी रोकथाम तथा बचाव के उपाय भी बताए गए। अपरान्ह में विद्या भवन स्कूल परिसर में स्थित स्विमिंग पूल में नोसैनिक शिविर की तैयारी कर रहे कैडिटों को तैराकी का प्रशिक्षण दिया गया। स्विमिंग इंस्ट्रक्टर सब लेफ्टिनेंट श्री सचिन पाल एवं कैम्प कमांडेन्ट के मार्गदर्शन में दिया गया। शाम को विभिन्न खेलों का आयोजन शिविर परिसर में किया गया । रात्रि में शिविर में विभिन्न देशभक्ति पूर्ण चलचित्रों के मुख्य अंशो का प्रदर्शन किया गया, जिससे कैडिटों को सेना में शामिल होने की जानकारी मिल सके।

शतरंज प्रतियोगिता प्रारंभ

ग्वालियर। ग्वालियर की ऐतिहासिक धरती एक बार फिर शतरंज की बिसात पर अपनी अलग पहचान बनाने को तैयार है। ऑल ग्वालियर चेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रथम ए.जी.सी.ए. अंतर्राष्ट्रीय फिडे रेटेड क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट 2025 का शुभारंभ 10 मई को एक भव्य समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, हॉकी इंडिया, और विशेष अतिथि डॉ. व्यंजना मिश्रा, महिला मोर्चा सदस्य, भारतीय जनता पार्टी, तथा श्रीमती शकुंतला परिहार, विशेष अतिथि, ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं और आयोजन की सराहना की। डॉ. गरिमा गर्ग (अध्यक्ष), श्रीमती नम्रता बंसल (संयुक्त सचिव), और ई. रुचि मित्तल, श्री अनिल गर्ग जी ने सभी विशिष्ट अतिथियों तथा मुख्य निर्णायक द्ध सुनील पंवार (Chief Arbiter), का गरिमामय स्वागत किया। इस समारोह के दौरान, मुख्य अतिथि श्री देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने शतरंज के खेल के महत्व और ग्वालियर के शतरंज प्रेमियों के लिए इस आयोजन की अहमियत पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, शतरंज मानसिक क्षमता और रणनीति का अद्भुत खेल है।

इसे खेलने से न केवल मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ती है, बल्कि खिलाड़ी खुद को चुनौती देने और अपनी सोच को एक नई दिशा देने का अवसर पाते हैं। ग्वालियर में शतरंज की समृद्ध परंपरा रही है और इस टूर्नामेंट से शहर एक में खेल के प्रति और उत्साह आएगा। उन्होंने खिलाड़ियों से यह भी आग्रह किया कि वे जीतने के साथ-साथ हार से भी सीखें। ÷शतरंज में जीत और हार दोनों होते हैं, लेकिन हार को हमेशा एक सीखने के अनुभव के रूप में देखें। जो खिलाड़ी हारते हैं, उन्हें निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि यह अवसर है अपने खेल में सुधार करने का। जीत हासिल करने के लिए हार से सीखना जरूरी है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा, ÷आपका आत्मविश्वास और मेहनत ही आपको सफलता दिलाएगा। हमेशा अपने खेल को बेहतर बनाने की कोशिश करें और खेल को सम्मान दें।

श्रीमती शकुंतला परिहार ने भी इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा, ÷शतरंज एक मानसिक खेल है जो खिलाड़ियों को न केवल सोचने की क्षमता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें अनुशासन और रणनीति की महत्वपूर्ण बातें भी सिखाता है। इस प्रकार के आयोजनों से ग्वालियर को शतरंज के क्षेत्र में एक बड़ा अवसर मिल रहा है और मैं आशा करती हूँ कि आने वाले समय में यहाँ के खिलाड़ी देश-विदेश में नाम रोशन करेंगे।

यह टूर्नामेंट 10 से 15 मई 2025 तक ब्रिलिएंट स्टार हायर सेकेंडरी स्कूल, मुकेश्वर के सामने, ए-ब्लॉक, आनंद नगर, एबी रोड, बहोड़ापुर, ग्वालियर (म.प्र.) में आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देश के कई प्रमुख राज्यों जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और दिल्ली से और मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, सतना, रीवा, धार, जबलपुर, शहडोल, सागर जैसे नगरों से सैकड़ों खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में अनुभवी तथा नवोदित खिलाड़ियों को एक ही मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिल रहा है, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को निखरने और अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारियों को समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है। साथ ही स्थानीय शतरंज खिलाड़ियों को देश के कोने-कोने से आए खिलाड़ियों के साथ खेलने का दुर्लभ अनुभव भी मिल रहा है। यह प्रतियोगिता फिडे द्वारा मान्यता प्राप्त क्लासिकल रेटेड टूर्नामेंट है, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ी फिडे रेटिंग अर्जित कर सकते हैं। आयोजन समिति ने इस आयोजन को पूरी पारदर्शिता, उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ संचालित किया है, जिससे सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त हो रहा है।

यह आयोजन ग्वालियर की खेल संस्कृति के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। पहली बार ग्वालियर जैसे ऐतिहासिक शहर में इस स्तर की फिडे रेटेड क्लासिकल प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है, जो निश्चित ही आने वाले वर्षों में ग्वालियर को शतरंज के मानचित्र पर और सशक्त बनाएगा। यह अवसर बार-बार नहीं आता। यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहाँ भविष्य के चैंपियन आकार ले रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में एनर्जी हैंडलिंग का नया कीर्तिमान : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्युत प्रणाली के संचालन में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वर्ष प्रदेश के पारेषण नेटवर्क ने कुल 1,01,039.88 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफलतापूर्वक संचालन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 6.2 प्रतिशत अधिक है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की विद्युत कंपनियों के अभियंताओं और तकनीशियनों की विशेषज्ञता, कुशल प्रबंधन और विद्युत प्रणाली के उत्कृष्ट रख-रखाव का प्रतिफल है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए तीनों विद्युत कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

एक दिन में सर्वाधिक एनर्जी हैंडलिंग का रिकॉर्ड भी बना

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि 24 फरवरी 2025 को मध्यप्रदेश में एक दिन में सर्वाधिक एनर्जी हैडलिंग का रिकॉर्ड भी बना। इस दिन 353.77 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जो राज्य की विद्युत प्रणाली की उच्च कार्य क्षमता, विश्वसनीयता और स्थिरता का प्रतीक है।

बिजली की मांग में वृद्धि और निरंतर आपूर्ति

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने यह जानकारी भी दी कि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में कुल 95,137 मिलियन यूनिट ऊर्जा का संचालन किया गया था। इस वर्ष बिजली की निरंतर बढ़ती मांग को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह उपलब्धि राज्य में सभी स्तरों पर विद्युत प्रणाली की लगातार उपलब्धता के कारण संभव हो सकी। विगत दो वर्षों से प्रदेश में एनर्जी हैंडलिंग (ऊर्जा संचालन) में निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्ष 2022-23 में 88,850 मिलियन यूनिट, वर्ष 2023-24 में 95,137 मिलियन यूनिट, और अब 2024-25 में 1,01,039.88 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफल संचालन हुआ है।

जिले में समर्थन मूल्य पर 8 लाख 57 हजार 324 क्विंटल गेहूँ का हुआ उपार्जन

किसानों के खातों में पहुँची 151.59 करोड़ से अधिक धनराशि

ग्वालियर। मौजूदा रबी विपणन वर्ष में जिले में समर्थन मूल्य पर 6 हजार 21 किसानों से 8 लाख 57 हजार 324 क्विंटल गेहूँ का उपार्जन सरकार द्वारा किया गया है। गेहूँ उपार्जन के लिये जिले में 41 केन्द्र स्थापित किए गए थे। समर्थन मूल्य पर गेहूँ बेचकर गए किसानों के खातों में जिले में अब तक लगभग 151 करोड़ 59 लाख 40 हजार रूपए की धनराशि पहुँचाई जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा 2600 रूपए प्रति क्विंटल के हिसाब से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की गई है। जिसमें 175 रूपए प्रति क्विंटल बोनस शामिल है। जिले में समर्थन मूल्य पर उपार्जित किए गए कुल गेहूँ में से 97 प्रतिशत गेहूँ का गोदामों में सुरक्षित भण्डारण किया जा चुका है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शेष गेहूँ को भी जल्द से जल्द गोदामों में पहुँचाने के निर्देश दिए है। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन श्रीवास्तव ने बताया जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ बेचने के लिए 13 हजार 574 किसानों ने पंजीयन कराया था। किसानों द्वारा कुल 7 हजार 279 स्लॉट बुक कराए गए थे। इन स्लॉट के आधार पर समर्थन मूल्य पर 8 लाख 57 हजार 324 क्विंटल गेहूँ की खरीदी किसानों से की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर दीं बधाई

भोपाल/ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1998 में आज के ही दिन पोखरण-II का सफल परीक्षण किया गया था। इस गौरवशाली अवसर पर देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों का स्मरण करते हुए उन विभूतियों को बारम्बार प्रणाम। उनके संकल्प व समर्पण से हमारा राष्ट्र, प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों में नित नए अध्याय जोड़ रहा है।

नागरिक सुरक्षा के संबंध में अधिकारियों का प्रशिक्षण 12 मई को

ग्वालियर। विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को 12 मई को नागरिक सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस दिन यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में सायंकाल 5 बजे आयोजित होगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को इस प्रशिक्षण में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

दुकानों के बाहर सड़क पर रखे सामान को अंदर रखवा कर यातायात को सुगम बनाया, दी हिदायत

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। मदाखलत अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री सिंघप्रिय के निर्देशानुसार उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान के निर्देशन में शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज पूर्व विधानसभा अंतर्गत मंशापूर्ण हनुमान मंदिर से मानिक विलास कॉलोनी बाल भवन तक दुकानों के बाहर रखे सामान को अंदर कराया गया। साथ ही सख्त हिदायत दी गई के दुकानों के बाहर सामान आदि रख

कर किसी प्रकार का अतिक्रमण न किया जावे, अन्यथा मदाखलत विभाग द्वारा सामान जप्त कर जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। इसके साथ ही माड़रे की माता से शीतला सहाय चौराहा कटोरातल तक यातायात अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले वालो को हटाया गाय। साथ ही उक्त ठेले संचालकों द्वारा फुटपाथ पर छप्पड़ आदि लगा कर किया गया अतिक्रमण को हटवाया गया।उक्त कार्यवाही मदाखलत निरीक्षक श्री विशाल जाटव एवं (पूर्व) दल सहित की गई।

थाना मुरार क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर जानलेवा हमला करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गोवर्धन कॉलोनी से किया गिरफ्तार

ग्वालियर। घटना का संक्षिप्त विवरण– दिनांक 01.03.2025 को अपोलो अस्पताल में फरियादी अजय सिह राणा पुत्र स्व. राघवेन्द्र सिंह राणा उम्र 35 साल निवासी गली न.05 घोसीपुरा मुरार ग्वालियर ने रिपोर्ट लेख कराई थी कि वह प्रोपर्टी का काम करता है तथा उसका केशव यादव से डबरा की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। दिनांक 01.03.2025 के सुबह वह अपनी फार्च्यूनर कार से अपने ड्राइवर राघवेन्द्र सिह राणा को लेकर शनिदेव मंदिर मुरैना जा रहा था तभी घोसीपुरा तिराहे के पास केशव यादव अपनी फार्च्यूनर कार क्र. एमपी07-सीएच-6904 व अन्य दो थार गाडियों में अपने 7-8 दोस्तों के साथ लाठी डंडे लेकर आया और सभी लोगों ने एक राय होकर मुझे मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देते हुए कार से नीचे उतार कर सड़क पर पटक कर लाठी-डंडो में जान से मारने की नियत से मारपीट की और केशव यादव ने अपनी लायसेंसी पिस्टल का बट मेरी आंख में मारा जिससे मेरी आंख में खून बहने लगा। केशव यादव के सथियों ने मेरी मारपीट के बाद मेरी फार्च्यूनर गाड़ी की तोड़फोड़ कर दी, उसके बाद वह लोग वहां से चले गये। फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपियों के खिलाफ थाना मुरार में अप0क्र0 98/25 धारा 190,191(2),191(3),109,324(4),115(2),296,351(3) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे द्वारा उक्त प्रकरण में वांछित सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के निर्देश पर अति. पुलिस अधीक्षक (मध्य) श्रीमती सुमन गुर्जर द्वारा थाना प्रभारी मुरार को पुलिस की टीम बनाकर आरोपियों की धरपकड़ हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी मुरार श्री राजीव जंगले के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मुरार निरीक्षक मैना पटेल द्वारा पुलिस की टीम को आरोपियों को पकड़ने हेतु लगाया गया। दौराने विवेचना पुलिस टीम को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण में फरार एक आरोपी गोवर्धन कालोनी में बरगद के पेड के पास देखा गया है जिस पर आरोपी की धरपकड हेतु उनि.नरेन्द्र सिसोदिया के नेतृत्व में पुलिस की टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया और गोवर्धन कॉलोनी में फरार आरोपी की तलाश की गई तो फरार आरोपी बरगद के पेड़ के पीछे पडे खाली प्लॉट में देखा गया जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पूछताछ करने पर उसने ग्राम पिपरसाना थाना गोहद जिला भिण्ड का रहने वाला बताया। थाना मुरार पुलिस द्वारा आरोपी को उक्त प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर उसके अन्य फरार साथियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

सराहनीय भूमिका:– थाना प्रभारी मुरार निरीक्षक मैना पटेल, उप निरीक्षक नरेन्द्र सिसोदिया, आर. संजय गुर्जर, आर. राजवीर गुर्जर, आर. अनिल मावई, आर. योगेन्द्र गुर्जर, आर.जयहिन्द जादौन व आर.राजू मोगिंया, आर. योगेन्द्र सिकरवार, आर. जैनेन्द्र गुर्जर, आर. सोनू प्रजापति की सराहनीय भूमिका रही।

साप्ताहिक बाल भागवत का समापन समारोह सम्पन्न

ग्वालियर। कृष्णायान द्वारा आयोजित ÷समग्र ग्रीष्मकालीन बाल शिविर÷ (साप्ताहिक बाल भागवत) का समापन सत्र आज उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर बच्चों ने वैदिक विज्ञान, व्यावहारिक जीवन ज्ञान तथा सामाजिक संवेदना के माध्यम से समाज निर्माण की भावना को आत्मसात किया। सत्र में बच्चों को प्रकृति की रक्षा, आत्म-परिष्कार, तथा अपने प्राथमिक स्वरूप को विकृत होने से बचाने की प्रेरणा दी गई। सनातन संस्कृति के मूल सिद्धांत – 10व दान को अपनाकर यह संदेश दिया गया कि शेष संसाधनों का उपयोग आत्मविकास और सामाजिक कल्याण हेतु किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के वस्त्रों और व्यवहार में आए सकारात्मक परिवर्तन को देखकर माता-पिता ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विदेशी शहरों (जैसे लंदन, कैलिफोर्निया आदि) के नाम और महिमामंडन वाले वस्त्रों के स्थान पर स्वदेशी वस्त्रों और उत्पादों को अपनाना आज की आवश्यकता है। विद्यार्थियों, माता-पिता, योग आचार्यों और इस वैदिक ज्ञान यज्ञ रूपी समर कैंप से जुड़े बौद्धिक, शारीरिक एवं वैज्ञानिक सत्रों के समर्पित सहयोगियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जन-सामान्य की उत्साही मांग को ध्यान में रखते हुए यह वैदिक शिक्षायुक्त सत्र अब प्रत्येक रविवार प्रातः 9 से 11 बजे तक नियमित रूप से सभी आयु वर्ग के लिए आयोजित किया जाएगा।

वंदे भारत एक्सप्रेस को दतिया स्टेशन पर ठहराव

झांसी। दिनांक 13 मई 2025 से प्रभावी रेल प्रशासन को यह सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 22469/22470 - खजुराहो-हज़रत निजामुद्दीन-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस को दतिया रेलवे स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर ठहराव प्रदान किया जा रहा है। यह सुविधा दिनांक 13.05.2025 से प्रभावी होगी। दतिया स्टेशन पर ठहराव के कारण निम्न स्टेशन पर नई समय सारणी निम्न अनुसार होगी– गाड़ी संख्या 22469 (खजुराहो से निजामुद्दीन) ग्वालियर स्टेशन पर नया ठहराव समय 19:28- 19:33 बजे होगा तथा दतिया स्टेशन पर ठहराव समय 18:42- 18:44 बजे होगा। गाड़ी संख्या 22470 (निजामुद्दीन से खजुराहो) का दतिया स्टेशन पर समय 09:59- 10:01 बजे होगा तथा वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर नया ठहराव समय 10:30-10:35 बजे होगा । उपरोक्त नए ठहराव के कारण गाड़ी संख्या 11902 आगरा कैंट - वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस का करारी स्टेशन पर नया ठहराव समय 10:13- 10:14 बजे होगा। रेल प्रशासन समस्त यात्रियों से अनुरोध करता है कि इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठाएँ एवं सुरक्षित, समयबद्ध तथा आरामदायक यात्रा का अनुभव प्राप्त करें।

पुलिस लाइन ग्वालियर में हार्टफुलनेस ब्राइटर माइंस क्लासेस का आयोजन

पुलिस एवं हार्टफुलनेस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में पुलिस परिवार के बच्चों के लिए ब्राइटर माइंड्स की क्लास का किया आयोजन

ग्वालियर। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश पुलिस एवं हार्टफुलनेस विश्व मुख्यालय कन्हा शांति वनम हैदराबाद के सहयोग से जिला ग्वालियर में पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर नोड़ल अधिकारी अति0 पुलिस अधीक्षक(मध्य) श्रीमती सुमन गुर्जर एवं रक्षित निरीक्षक ग्वालियर श्री रणजीत सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में दिनांक 09.05.2025 से पुलिस लाइन ग्वालियर में हार्टफुलनेस ब्राइटर माइंस का कोर्स की क्लासेस को प्रारंभ किया गया है, जिसमें पुलिस परिवार के 05 से 15 साल तक के बच्चों को पहले बैच में केवल 16 बच्चों को सम्मिलित किया गया है। इस हार्टफुलनेस ब्राइटर माइंस का कोर्स की क्लासेस में सूबेदार सोनम पराशर, महिला आरक्षक रूचि जादौन एवं हार्टफुलनेस वॉलंटियर अंकुर गुप्ता द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, इस अवसर पर प्रशिक्षकों के अलावा सूबेदार अनुपम भदौरिया भी उपस्थित रहे। दिनांक 10.05.2025 को दूसरे दिन हार्टफुलनेस ब्राइटर माइंस का कोर्स में क्लास ली गई, जिसमें दूसरे दिन भी 05 से 15 साल तक के पुलिस परिवार के बच्चे उपस्थित रहे, जिनके मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए एक्टिविटीज कराई जा रही है। ब्राइटर माइंड्स कोर्स में सम्मिलित सभी विषयों पर प्रशिक्षण पुलिस लाइन ग्वालियर में दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में बच्चों को प्रशिक्षको द्वारा आंख बंद करके कलर पहचानना शब्दों को याद करने की क्षमता बढ़ाना जैसे अन्य प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं। इस प्रकार का प्रशिक्षण मन की शुद्धता और विचारों की सकारात्मकता ही जीवन को सुंदर बनाती है। इसलिए हर दिन प्रेम, करुणा और सच्चाई के साथ जीना चाहिये। ब्राइटर माइंड्स की क्लास निरंतर जारी है क्लास में बच्चों में अति उत्साह एवं आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है, जिससे बच्चे प्रतिदिन क्लास में उपस्थित हो रहे हैं और पूर्ण इंजॉय कर रहे हैं। उक्त कोर्स का पहले बैच की क्लासेस 09 दिवस तक संचालित रहेगी।

थाना जनकगंज पुलिस ने एक वाहन चोर को पकड़कर भैंस मण्डी के पास से चोरी गई मोटर साइकिल को किया जप्त

ग्वालियर। दिनांक 11.05.2025 - वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले में वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर वाहन चोरों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के तारतम्य में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पश्चिम) श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में चोरी गये वाहनों की बरामदगी कर चोरों को पकड़ने हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देश दिये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी लश्कर श्री मनीष यादव के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जनकगंज निरीक्षक अतुल सोलंकी के द्वारा थाना बल की टीम को अप0क्र0 233/25 धारा 303(2) बीएनएस में चोरी गई मोटर साइकिल के अज्ञात चोर की पतारसी कर पकड़े हेतु लगाया गया। दिनांक 11.05.2025 को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त मोटर साइकिल चोरी करने वाला संदिग्ध निम्माजी की खो भैंस मण्डी के पास देखा गया है। सूचना पर पुलिस टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया, जहां पर मुखबिर के बताये हुलिया का एक संदिग्ध खड़ा दिखा जिसने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस टीम द्वारा भाग रहे संदिग्ध को घेरकर पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर उसने मेवाती मोहल्ला थाना बहोड़ापुर जिला ग्वालियर का होना बताया। उक्त मोटर चोरी के संबंध में पूछताछ करने पर उसने द्वारा पुलिस टीम को गुमराह करने का प्रयास लिया गया लेकिन गहनता से पूछताछ करने पर उसने मोटर साइकिन चोरी करना बताया।

जिला शिक्षा अधिकारी ने पांच शिक्षकों को थमाया कारण बताओ नोटिस

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़।जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर सक्सेना द्वारा सबलगढ़ ब्लॉक के पांच शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।ये उन्हीं दो स्कूलों प्रावि अटार का पुरा और प्रावि पालरी के शिक्षक है जिनका निरीक्षण बीएसी रामरज रावत द्वारा किया गया था तथा अपना प्रतिवेदन संकुल प्राचार्य के माध्यम से जिला कार्यालय को भेजा गया था।तब डीईओ द्वारा बीआरसीसी,संकुल प्राचार्य व बीएसी को दिनांक 7 मई को कारण बताओ नोटिस देकर कहा गया था कि बीएसी की शाला निरीक्षण का अधिकार नहीं है।इसके बाद दिनांक 8 मई को उक्त शिक्षको को कारण बताओ नोटिस देकर कहा गया है कि निरीक्षण के दौरान आप अनुपस्थित क्यो मिले, बताएं अन्यथा दो दो वेतन व्रद्धि काटी जाएंगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड श्योपुर,(म0प्र0)

दूरभाष कमांक 07530–222185 Email id:- eephed_sheopur@yahoo.com

// निविदा आमंत्रण सूचना //

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण के अपेण्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर ई–निविदायें On-line आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम– श्योपुर जिले के विकासखण्ड श्योपुर/कराहल/ विजयपुर के विभिन्न ग्रामों में कम जल आवक क्षमता वाले नलकूपों में हाईड्रोफेक्चरिंग आदि कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है।

क.	निविदा सूचना कमांक	टेंडर आई.डी.	विकास खण्ड	नलकूप की संख्या	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समय
1	12/2025–26 दि. 08.05.2025	2025_PHED_421654_1	श्योपुर	50	11.03	22060	2000	02 माह
2	13/2025–26 दि. 08.05.2025	2025_PHED_421679_1	कराहल	50	11.03	22060	2000	02 माह
3	14/2025–26 दि. 08.05.2025	2025_PHED_421708_1	विजयपुर	80	16.54	33080	2000	02 माह

बिड सबमिशन प्रारम्भ दिनांक– 09.05.2025 समय 10.30 बजे तक
बिड सबमिशन अंतिम दिनांक– 20.05.2025 समय 17.30 बजे तक
बिड खोलने का दिनांक– 22.05.2025 समय 13.00 बजे तक

नोट– यह निविदा का संक्षिप्त भाग है। विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय अथवा वेब साइट https://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। भविष्य में संभावित समस्त संशोधन उक्त वेब साइट पर प्रदर्शित किये जावेंगे। संशोधनों का पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,
खण्ड श्योपुर (म0प्र0)

G-12712/25

संपादकीय

जल बंटवारे का विवाद

पानी बंटवारे को लेकर हरियाणा-पंजाब में फिर ठन गई है। आप शासित पंजाब अपनी जरूरतों और मौजूदा जल स्तर को लेकर भाजपा शासित हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने का विरोध कर रहा है। हरियाणा अपने हिस्से का साढे तीन मिलियन एकड़ फीट पीने का पानी सतलुज-यमुना लिंक नहर को देने की मांग कर रहा है, और पंजाब को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने की हिदायत भी दे रहा है जबकि पंजाब लगातार साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी न होने की दुहाई दे रहा है। 214 किमी. लंबी इस नहर की परिकल्पना रावी-ब्यास नदियों के जल को दोनों राज्यों के दरम्यान बांटने के लिए की गई थी जिसमें 122 किमी. पंजाब में और बाकी 92 किमी. हरियाणा में बनाया जाना था। हरियाणा परियोजना को पूरा कर चुका है, जबकि पंजाब ने 1982 से चालू इस निर्माण को लटका कर रखा है। पंजाब सरकार का कहना है, धान की बुआई के मौसम में उसे अतिरिक्त पानी की जरूरत है, और यह भी कि हरियाणा अपने हिस्से का पानी पहले ही ले चुका है। हरियाणा 8,500 क्यूसेक पानी की मांग कर रहा है, जबकि पंजाब उसे चार हजार क्यूसेक पानी पीने के लिए मुहैया करा रहा है। जल बंटवारे के विवाद को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है। पंजाब ने हरियाणा पर केंद्र में अपनी सरकार होने के चलते उसे जबरन दबाने के प्रयास के आरोप भी लगाए हैं। नदियों के जल-बंटवारे को लेकर देश भर में अंतरराज्यीय विवादों की स्थिति बनी रहती है। केंद्र और शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बावजूद राज्यों के दरम्यान संतुलित बंटवारा संभव नहीं हो सका है। राज्यों के बीच जल बंटवारे को लेकर न सिर्फ तनाव बढ़ता है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय संकट भी बढ़ता जाता है। केंद्र का जिम्मा है कि पंजाब सरकार को उक्त नहर के निर्माण के लिए राजी करे और जितनी मदद हो सके देने की व्यवस्था भी करे। विभिन्न राज्यों को नदियों के जल बंटवारे के लिए भिड़ने की बजाय जल संरक्षण, भूजल के सदुपयोग और बरसाती पानी के भंडारण के समुचित सुझाव भी दिए जाएं। पूर्वाग्रहों और व्यवस्थागत विकल्पों के अभाव में उपज पर पड़ने वाली मार तथा पेयजल संकट देश का अहितकारी साबित हो सकता है। केंद्र को न सिर्फ विवाद को तूल पकड़ने से रोकना होगा, बल्कि राजनीतिक मन-मुटाव को हाशिए पर रखते हुए मानसून पूर्व ही विवाद का निस्तारण का भी प्रयास करना होगा।

आत्मघात की शिकार हो रहे छात्र

ललित गर्ग

टॉपर संस्कृति के दबाव और अव्वल आने की होड़ में छात्रों द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना गंभीर समस्या है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव और शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल में छात्रों की लगातार दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली में अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं।

निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिए घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केंद्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं कीं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वादे करते रहते हैं। निस्संदेह, ऐसे खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिए घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिए बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिए रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को भी निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए जो विभिन्न क्षेत्रों में रु चि रखने वाले युवाओं के लिए पर्याप्त संख्या में रोजगार अवसर पैदा कर सके। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है, जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में भी 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मान कर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक, ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निर्माताओं के लिए चिंता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लंबे-चौड़े दावे करने वाली सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिए जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल पर्वितन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल, जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में ऐसा तंत्र विकसित किया जाए जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रह कर उनमें आशा का संचार कर सके। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र किसी दफ्तर में ही अपने लिए संभावनाएं तलाशता है, लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है, और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है।

कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है। माना जाता है कि देश की प्रखर प्रतिभाएं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां आत्महत्या की लगातार खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल पर्वितन करें। जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कॅरिअर एवं 'बी नम्बर वन' की दौड़ सिर पर सवार होती है, और उसे पूरा करने के लिए छात्र साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते तो कुंठित, तनावग्रस्त एवं अवसादग्रस्त हो जाते हैं, ऐसे व्यक्ति को अंतिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है।

जाति गणना कराने का फैसला

अजीत द्विवेदी

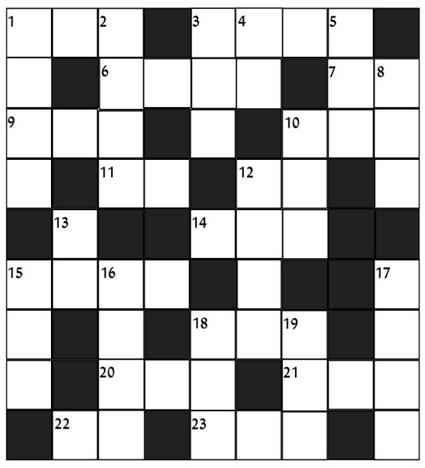

कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन राजनीति का जो प्रयोग किया था उसे अब वह सांस्थायिक रूप दे रही है और इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाति गणना कराने का ऐलान कर दिया। बुधवार, 30 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक में जाति गणना का फैसला हुआ। सरकार ने कहा कि अगली जनगणना में जातियों की गिनती होगी। आजादी के बाद पहली बार जातियां गिनी जाएंगी। अभी तक 1931 में अंग्रेजों की कराई जातिगत गणना के आंकड़ों के आधार पर बने अनुमान से काम चल रहा था। बिहार की जाति गणना से यह पता चल गया कि मोटे तौर पर अनुमान सही भी है। लेकिन चूंकि जाति और आरक्षण एक बड़ा भावनात्मक राजनीतिक मुद्दा है और 10 साल से सत्ता के लिए भटक रही कांग्रेस को यह अमोघ अस्त्र की तरह लगा तो उसने इसे 2024 के चुनाव में आजमाया। उसको इसका लाभ हुआ। समूचे विपक्ष को हुआ। इसी से भाजपा और नरेंद्र मोदी सावधान हुए। उनको लगा कि यह मुद्दा बिहार, उसके बाद उत्तर प्रदेश और उसके बाद लोकसभा चुनाव में नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जाति गणना कराने का फैसला हुआ। परंतु सवाल है कि जाति की राजनीति का कांग्रेस को कितना फायदा होगा? ध्यान रहे वह इस राजनीति के इर्द गिर्द अपनी पोजिशन कंसोलिडेट करने की कोशिश कर रही है। हो सकता है कि इसमें समय लगे क्योंकि यह कांग्रेस की राजनीति का बुनियादी स्वरूप नहीं है। कांग्रेस ने पहले भी जाति की राजनीति की है लेकिन कभी भी इस तरह से नहीं। आजादी की लड़ाई के मूल्यों पर आधारित आइडिया ऑफ इंडिया के इर्द गिर्द कांग्रेस की राजनीति का तानाबाना था। लेकिन 2014 में बुरी तरह से हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद उसने कई प्रयोग किए। भाजपा की राजनीति के रास्ते पर भी चलने का प्रयास किया, जिसके तहत राहुल गांधी मंदिर मंदिर घूमते रहे और जनेऊ दिखा कर उनको कौल ब्राह्मण बताया गया। लेकिन उसमें कामयाबी नहीं मिली। मूल हिंदुवादी पार्टी के रहते किसी ने क्लोन पार्टी की ओर से ध्यान नहीं दिया। इसके बाद जाति आधारित राजनीति का प्रयोग कांग्रेस ने शुरू किया, जिसमें आंशिक ही सही लेकिन कामयाबी मिली। इस आंशिक कामयाबी के बाद ही कांग्रेस ने बहुजन राजनीति को सांस्थायिक रूप देना शुरू किया। गुजरात के अहमदाबाद में हुए कांग्रेस के अधिवेशन को कांग्रेस की बहुजन राजनीति का प्रस्थान बिंदु मान सकते हैं। इसमें कांग्रेस ने तीन प्रस्ताव पास किए। पहला, आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को समाप्त करके उसे बढ़ाने का प्रस्ताव। दूसरा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के अंदर वर्गीकरण और आबादी के अनुपात में उनके लिए आरक्षण की व्यवस्था करने का प्रस्ताव और तीसरा, निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण के प्रावधान का प्रस्ताव। इस तीसरे प्रस्ताव से ही बात शुरू करें तो यह सवाल उठता है कि कांग्रेस ने सिर्फ निजी शिक्षण संस्थानों में दाखिले में ही आरक्षण देने की बात क्यों कही है? उसने निजी संस्थानों की नौकरी में आरक्षण देने का प्रस्ताव क्यों नहीं स्वीकार किया? ध्यान रहे निजी कंपनियों की नौकरी में आरक्षण की मांग पुरानी है। बहुजन राजनीति के तमाम बड़े नेताओं जैसे शरद यादव, मुलायम सिंह यादव, रामविलास पासवान आदि हमेशा निजी कंपनियों में आरक्षण देने की मांग करते रहे थे। जब कांग्रेस इस राजनीति में घुसी है तो पता नहीं क्यों आधे अधूरे मन से उसने सिर्फ निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण देने का वादा किया है।

शब्द सामर्थ्य -045

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा–सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

1		2	■	3	4		5	■
	■	6				■	7	8
9			■		■	10		
	■	11		■	12		■	
[illegible]	13			14	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
15		16	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	17	[illegible]
[illegible]	[illegible]	18	■	19	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
■	20		■	21		[illegible]	[illegible]	[illegible]
■	22	■	23		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 044 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	आ	ग	■	दा	ना	■	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू- दोकू क्र.045

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 044 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

राशिफल

मेष — आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आज के सारे काम आसानी से पूरे हो जाएं। साथ ही अपने भविष्य के लिए एक योजना बनाएंगे और सोच-विचार करेंगे। आज ज्यादातर आपका समय परिवारवालों और दोस्तों की इच्छाओं को पूरा करने में निकल जाएगा। इस राशि के बिजनेसमैन आज कुछ बड़े बिजनेसमैन से मिल सकते है, जिसका फायदा आपको भविष्य में अवश्य मिलेगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा है कहीं बाहर घूमने का प्लान बन सकता है। आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ — आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है। साथ ही अपने नजदीकी रिश्तों को सुधारने की कोशिश करेंगे, जिसमें आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के जो लोग नौकरी की तलाश में है उनको आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर मिलने के चांस बन रहे हैं। साथ ही नौकरीपेशा वालों का आज ऑफिस में काम की तारीफ होगी। अपने संतान के करियर के लिए उसके गुरु से बातचीत कर सकते हैं।

मिथुन — आज का दिन अच्छा रहेगा। पहले से बनाई हुई योजनाओं के पूरा होने के योग बन रहे हैं, साथ ही नए काम की योजना बना सकते हैं। आज आप रिश्तों के प्रति भावना से परिपूर्ण रहेंगे, हो सकता है कहीं बाहर घूमने की प्लानिंग भी बन जाएं। इस राशि के आर्किटेक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज ऑफिस में सम्मानित किया जाएगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। मन पसंद उपहार मिलने से आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह कारगर साबित होगी।

कर्क — आज मेहनत से करें हुए सारे काम पूरे होंगे। बिजनेस के मामले में थोड़ी सावधानी बरतें। आज आपका दोस्त आपसे किसी जरूरी दस्तावेज पर साइन करवाने आ सकते हैं, बेहतर होगा साइन करने से पहले दस्तावेज को अच्छे से पढ़ ले। आज जल्दबाजी में कार्य करने से बचें। बिजनेस में जोखिम भरे सौदे करने से बचना होगा। इस राशि के जो लोग नया वाहन खरीदना चाहते हैं, वे आज खरीद सकते हैं। आज का दिन शुभ है, और आपको डिस्काउंट भी मिलने की संभावना बन रही है।

सिंह — आज आपका मन लेखन कार्यों में रहेगा। पहले की कविता के कारण आपको कॉलेज में पुरस्कार भी मिल सकता है। इस राशि के जो स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई विदेश में करना चाहते है। उन्हें इस मामले में विदेशी यूनिवर्सिटी से बातचीत करने के लिए आज अच्छा दिन है। साथ ही परिवार और दोस्तों का पूरा साथ मिलेगा। पैसों के लेन-देन के मामले में सावधानी बरतें। किसी काम में जितनी कोशिश आप करेंगे उसमें उतनी ही सफलता आपको मिलेगी। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कन्या — आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहेगा। आज बिजनेस के मामले में आपके नजदीकी दोस्त से समय पर आपको मदद मिल जाएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के अविवाहित लोगों के लिए आज रिश्ते आ सकते हैं, हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाएं। आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन पढ़ाई में मन लगाने का है, जितनी मेहनत करेंगे उतनी सफलता हासिल करेंगे। माता-पिता का आशीर्वाद मिलने से आपको कार्यों में सफलता मिलेगी।

तुला — आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। आज ऑफिस में काम का टारगेट पूरा होने से बॉस आपसे खुश होकर, आपको उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं। साथ ही आपको नए अवसर मिलने के चांस बन रहे हैं। टीचर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, आज आपका प्रमोशन हो सकता है। दोस्तों के साथ बाहर के मौसम का लुत्फ उठाएंगे। साथ ही मूवी देखने का प्लान भी बन सकता है। लवमेट अपने को टाइम देंगे, जिससे रिश्तों में मजबूती आएगी।

वृश्चिक — आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आज घरेलू चीजों को खरीदने पर आपके अधिक पैसे खर्च हो सकते हैं। आज आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तर पहुचाने में मदद करेगा। राजनीति में आप सक्रिय भूमिका निभाएंगे। आज आप विरोधियों का सामना करने में सक्षम होंगे। आज यात्रा कुछ ज्यादा होने की वजह से थकान महसूस करेंगे। इस राशि के लोगों को आज कानूनी मामलों से बचने की जरूरत है। नवविवाहित आज किसी रेस्टोरेंट में डिनर का प्लान बना सकते हैं।

धनु — आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़े हुए ऊर्जा के साथ आप काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज आपकी अंदरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। आज उन लोगों से सावधान रहें जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं। जीवनसाथी के जीवन में बदलाव आने से खुशी का माहौल बनेगा। घर में चल रही समस्या जल्द ही सॉल्व हो जाएगी। आज फर्नीचर खरीदने के लिए दिन शुभ है। आज किसी अनजान पर भरोसा न करें।

मकर — आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। ऑफिस में आज किसी बात को लेकर बॉस से आपको डांट पड़ सकती है। आज प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है। कालात्मक कार्यों में आज आपकी रुचि बढ़ेगी। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी-जान लगाकर पढ़ने का है। आज नए प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज धार्मिक स्थलों की यात्रा पर जाने का प्लान बनाएंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

कुंभ — आज आपका दिन राहतपूर्ण रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि वाले कवियों के लिए आज का दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है। लवमेट के लिए आज का दिन शुभ है। आज आप जीवनसाथी को कहीं घूमने ले जा सकते हैं। इस राशि के कारोबारियों के लिए आज का दिन लाभप्रद रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों की मदद से आज आपका काम पूरा हो जाएगा। आज लोगों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

मीन — आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि वाले अगर आज नई योजनाएं शुरू करना चाह रहें है तो उसे टाले नहीं शुरू कर दें। आज आप जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। नौकरीपेशा वाले लोगों को आज अपने सहकर्मियों का योगदान मिलेगा। आज आप पास आए नए मौकों को हाथ से न जाने दें। आज आप दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। व्यापार में भी आज आपको लाभ के योग बने हुए हैं। कुल मिलाकर आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

शांति,करुणा और अहिंसा के प्रतीक गौतम बुद्ध

(संदीप सृजन-विभूति फीचर्स)

गौतम बुद्ध, जिन्हें विश्व में शांति, करुणा और अहिंसा के प्रतीक के रूप में जाना जाता है, उन्होंने अपने जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से मानवता को एक ऐसा मार्ग दिखाया जो हिंसा और युद्ध से परे है। बुद्ध का दर्शन न केवल व्यक्तिगत शांति और आत्म-जागृति पर केंद्रित है, बल्कि सामाजिक और सामूहिक स्तर पर भी शांति स्थापित करने की दिशा में प्रेरित करता हैं। युद्ध, जो मानव इतिहास में विनाश, दुख और विभाजन का कारण रहा है, बुद्ध के दर्शन में कहीं भी स्वीकार्य नहीं है। बुद्ध ने अपने उपदेशों में चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग को प्रतिपादित किया, जो उनके दर्शन का आधार बने। इन सिद्धांतों में हिंसा और युद्ध का कोई स्थान नहीं था। बुद्ध का मानना था कि सभी प्राणी सुख की खोज में हैं और दुख से मुक्ति चाहते हैं। युद्ध, जो हिंसा और विनाश का प्रतीक है, इस खोज को न केवल बाधित करता है, बल्कि दुख को और बढ़ाता है। बुद्ध के दर्शन का मूल आधार अहिंसा है। अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना ही नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म से किसी भी प्राणी को हानि न पहुंचाना है। बुद्ध ने अपने उपदेशों में बार-बार इस बात पर जोर दिया कि हिंसा से केवल और हिंसा जन्म लेती है। एक प्रसिद्ध धम्मपद श्लोक में बुद्ध कहते हैंः

÷न हि वेरेन वेरानि, सम्मन्तीध कुदाचनं।
अवेरेन च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो।÷

अर्थात्, नफरत से नफरत कभी शांत नहीं होती; नफरत को केवल प्रेम और करुणा से शांत किया जा सकता है। यह शाश्वत नियम है। यह श्लोक बुद्ध के युद्ध के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। युद्ध, जो घृणा, क्रोध और लोभ से प्रेरित होता है, कभी भी शांति और सौहार्द का कारण नहीं बन सकता। बुद्ध ने यह भी सिखाया कि प्रत्येक प्राणी के भीतर बुद्धत्व की संभावना है, और इसलिए प्रत्येक जीवन मूल्यवान है। युद्ध में होने वाली हत्याएं और विनाश इस मूल्य को नष्ट करते हैं और मानवता को उसके उच्चतम लक्ष्य निरंतर शांति और जागृति से दूर ले जाते हैं। बुद्ध ने युद्ध के कारणों को मानव मन की तृष्णा (लोभ), क्रोध और अज्ञानता में देखा। उनके अनुसार, ये तीन ÷विष÷ (लोभ, द्वेष, मोह) मानव दुख के मूल कारण हैं। युद्ध अक्सर क्षेत्रीय विस्तार, धन, शक्ति या वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं, जो सभी तृष्णा और अज्ञानता से उत्पन्न होते हैं। बुद्ध ने अपने उपदेशों में इन मूल कारणों को समझने और उन्हें समाप्त करने पर जोर दिया।बुद्ध के समय में कई छोटे-छोटे राज्यों के बीच युद्ध और संघर्ष आम थे। बुद्ध ने इन युद्धों को रोकने के लिए कई बार मध्यस्थता की। एक प्रसिद्ध घटना में, शाक्य और कोलिय जनजातियों के बीच रोहिणी नदी के जल

विभाजन को लेकर विवाद हो गया था, जो युद्ध का रूप लेने वाला था। बुद्ध ने दोनों पक्षों को समझाया कि जल के लिए युद्ध करने से होने वाली हानि जो मानव जीवन और रिश्तों के नुकसान के रूप में होगी उस जल के मूल्य से कहीं अधिक होगी। उनकी मध्यस्थता से दोनों पक्षों ने शांति स्थापित की। यह घटना दर्शाती है कि बुद्ध युद्ध को केवल हिंसा के रूप में नहीं देखते थे, बल्कि इसे मानवता के लिए एक अनावश्यक दुख के रूप में समझते थे। उनका दृष्टिकोण यह था कि युद्ध के बजाय संवाद, समझ और करुणा के माध्यम से समस्याओं का समाधान संभव है। बुद्ध का दर्शन केवल व्यक्तिगत शांति तक सीमित नहीं था, वे सामाजिक और सामूहिक शांति के भी पक्षधर थे। उन्होंने राजाओं और शासकों को भी उपदेश दिए कि शासन का आधार धर्म (नैतिकता), करुणा और न्याय होना चाहिए। बुद्ध ने चक्रवर्ती राजा (आदर्श शासक) की अवधारणा को प्रस्तुत किया, जो बिना हिंसा और युद्ध के, धर्म के आधार पर शासन करता है। बुद्ध ने यह भी सिखाया कि शांति तभी संभव है जब समाज में समानता, न्याय और करुणा हो। युद्ध अक्सर सामाजिक असमानता, अन्याय और शक्ति के दुरुपयोग से उत्पन्न होते हैं। बुद्ध ने अपने अनुयायियों को सिखाया कि वे अपने कर्मों से समाज में शांति और सौहार्द को बढ़ावा दें। बौद्ध धर्म में युद्ध की नैतिकता का कोई स्थान नहीं है। कुछ अन्य धर्मों या दर्शनों में ÷न्यायपूर्ण युद्ध÷ की अवधारणा हो सकती है, लेकिन बुद्ध के लिए कोई भी युद्ध न्यायपूर्ण नहीं हो सकता, क्योंकि युद्ध का परिणाम हमेशा दुख और विनाश होता है। बुद्ध ने यह सिखाया कि हिंसा का जवाब हिंसा से देना केवल दुख को बढ़ाता है। इसके बजाय, उन्होंने करुणा, क्षमा और समझ के मार्ग को अपनाने की सलाह दी। बुद्ध के समय में, कई योद्धा और सैनिक उनके पास आकर यह प्रश्न करते थे कि युद्ध में भाग लेना उनके कर्तव्य का हिस्सा है, तो क्या यह गलत है? बुद्ध ने उन्हें समझाया कि हिंसा में भाग लेना, भले ही वह कर्तव्य के नाम पर हो, कर्म के नियमों से मुक्त नहीं है। हिंसा करने वाला व्यक्ति न केवल दूसरों को दुख देता है, बल्कि अपने लिए भी दुख का कारण बनता है। बुद्ध ने सैनिकों को सलाह दी कि वे अपने मन को शुद्ध करें और हिंसा के बजाय शांति के मार्ग को चुनें। आज के युग में, जब विश्व युद्ध, आतंकवाद और हिंसा की चुनौतियों से जूझ रहा है, बुद्ध की शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। बुद्ध का अहिंसा और करुणा का संदेश न केवल व्यक्तिगत जीवन में शांति ला सकता है, बल्कि सामाजिक और वैश्विक स्तर पर भी शांति स्थापित करने में सहायक हो सकता है।आधुनिक विश्व में, कई संगठन और नेता बुद्ध के सिद्धांतों से प्रेरित होकर शांति के लिए कार्य कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, दलाई लामा, जो बौद्ध धर्म के एक प्रमुख नेता हैं, ने बार-बार विश्व शांति के लिए अहिंसा और करुणा के महत्व पर जोर दिया है। बुद्ध की शिक्षाएं हमें यह सिखाती हैं कि युद्ध और हिंसा से कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सकता। इसके बजाय, संवाद, सहानुभूति और आपसी समझ के माध्यम से ही शांति संभव है। गौतम बुद्ध ने युद्ध का समर्थन इसलिए नहीं किया क्योंकि उनके दर्शन का मूल आधार अहिंसा, करुणा और सभी प्राणियों के प्रति समानता का भाव था। युद्ध, जो मानव मन की तृष्णा, क्रोध और अज्ञानता से उत्पन्न होता है, बुद्ध के लिए केवल दुख और विनाश का कारण था। उन्होंने अपने जीवन और शिक्षाओं के माध्यम से यह दिखाया कि शांति का मार्ग हिंसा से नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा और समझ से होकर गुजरता है। बुद्ध की शिक्षाएं आज भी हमें प्रेरित करती हैं कि हम अपने जीवन में और समाज में शांति को बढ़ावा दें। युद्ध और हिंसा के इस युग में, बुद्ध का संदेश एक प्रकाशस्तंभ की तरह है, जो हमें यह सिखाता है कि सच्ची शांति तभी संभव है जब हम अपने मन को शुद्ध करें और सभी प्राणियों के प्रति करुणा का भाव रखें। बुद्ध का यह दर्शन न केवल उनके समय में, बल्कि आज और भविष्य में भी मानवता के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शन है।

भारत-पाक तनाव के बीच एशिया कप पर संकट

- बीसीसीआई को आईपीएल पूरा करने का मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, (ए.)। एशिया कप 2025 की मेजबानी इस बार भारत को मिली है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न युद्ध जैसी स्थिति ने इस टूर्नामेंट के आयोजन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस तरह से सीमा पर तनाव बढ़ा है, उसमें यह संभावना बेहद कम नजर आ रही है कि इस साल एशिया कप का सफल आयोजन हो पाएगा। अगर भारत इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से इनकार कर देता है, तो एशिया कप के आयोजन की संभावना लगभग खत्म मानी जा रही है, क्योंकि भारत के बिना इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट का कोई महत्व नहीं रह जाएगा।

बीसीसीआई पहले ही आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर चुका है। इस बीच धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चल रहे मैच को ड्रोन हमलों और ब्लैकआउट की स्थिति के कारण रद्द कर दिया गया था, जिससे लीग की सुरक्षा चिंताओं को और बल मिला। अगर आने वाले दिनों में हालात सामान्य नहीं होते हैं, तो यह आशंका है कि आईपीएल 2025 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ सकता है। हालांकि, ऐसे संकटपूर्ण समय में बीसीसीआई को एक संभावित राहत अगस्त-सितंबर की विंडो के रूप में मिल सकती है।

यदि एशिया कप रद्द होता है, तो बीसीसीआई उस समय का उपयोग आईपीएल 2025 के बचे हुए मैचों को पूरा करने के लिए कर सकता है। इस समयावधि में भारतीय टीम का कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर शेड्यूल नहीं है, जिससे बोर्ड के पास लीग को दोबारा शुरू करने के लिए पर्याप्त समय और संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई पहले ही कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों को वैकल्पिक वेन्यू के तौर पर चिन्हित कर चुका है, जहां सुरक्षा स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है।

अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालात किस दिशा में जाते हैं। यदि तनाव कम होता है तो टूर्नामेंट अपनी तय योजना के अनुसार पूरा किया जा सकता है, लेकिन अगर नहीं, तो एशिया कप की संभावित रद्दी से बीसीसीआई को आईपीएल 2025 को नया जीवन देने का सुनहरा मौका मिल सकता है।

पाकिस्तान में हुए धमाके में बाल-बाल बचे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

सिडनी, (ए.)। पाकिस्तान में हुए एक बम धमाके में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बल-बल बचे हैं।

एक ऑस्ट्रेलियाई अखबार के अनुयार सीन एबॉट, बेन द्वार्शुइस, एश्टन टर्नर और मिच ओवेन जिस जगह पर रुके थे वहीं एक मिसाइल गिरी थी पर उससे पहले ही ये चार्टर फ्लाइट से दुबई चले गये थे। आईपीएल और पीएसएल में भाग ले रहे कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर भारत-पाक तनाव बढ़ने के बाद स्वदेश लौट गये हैं। वहीं आईपीएल में खेल रहे पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और ट्रैविस हेड भी स्वदेश लौट गये हैं।

आईपीएल 2025 के बचे मैच कराने इंग्लैंड तैयार : माइकल वॉन

ईसीबी ने बीसीसीआई से किया संपर्क

नई दिल्ली, (ए.)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण आईपीएल 2025 को शुक्रवार को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि अगर शेष मैच भारत में आयोजित नहीं हो पाते, तो बीसीसीआई के पास कौन से विकल्प मौजूद हो सकते हैं। इस बीच, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने इंग्लैंड में आईपीएल के मैचों को आयोजित करने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बीसीसीआई से टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर बातचीत शुरू की है।

एक इंग्लिश मैगजीन के मुताबिक, शुक्रवार की शाम को ईसीबी ने बीसीसीआई से संपर्क किया। हालांकि, बीसीसीआई की तरफ से इस बातचीत को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि आईपीएल 2025 को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने प्रमुख हितधारकों के साथ परामर्श करने के बाद यह निर्णय लिया।

गौरतलब है कि गुरुवार को जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी मिलने के बाद धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच को रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद आईपीएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। बीसीसीआई सचिव ने एक विज्ञप्ति में कहा, ÷बीसीसीआई ने आईपीएल के बाकी मैच तुरंत प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। नए कार्यक्रम और टूर्नामेंट के आयोजन के बारे में समय आने पर जानकारी दी जाएगी।

इस निर्णय से पहले संबंधित अधिकारियों और हितधारकों के साथ हालात की व्यापक समीक्षा की जाएगी।÷ आईपीएल 2025 का समापन 25 मई को कोलकाता में होने वाला था, लेकिन अब बोर्ड बाकी 16 मैचों (12 लीग और 4 नॉकआउट) को सही समय पर कराने की कोशिश करेगा। ऐसी अटकलें हैं कि अगर सितंबर में होने वाला एशिया कप रद्द हो जाता है, तो यह टूर्नामेंट के आयोजन के लिए एक संभावित विंडो बन सकती है।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.60 लाख करोड़ घटा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली, (ए.)। बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,60,314.48 करोड़ रुपये की गिरावट आई है। शेयर बाजार में गिरावट के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक नुकसान में रही है। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 59,799.34 करोड़ रुपये घटकर 18,64,436.42 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 30,185.36 करोड़ रुपये घटकर 9,90,015.33 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 27,062.52 करोड़ रुपये घटकर 14,46,294.43 करोड़ रुपये, एसबीआई का मूल्यांकन 18,429.34 करोड़ रुपये घटकर 6,95,584.89 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 13,798.85 करोड़ रुपये घटकर 5,36,927.95 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन 8,321.89 करोड़ रुपये घटकर 5,29,972.97 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 2,138.29 करोड़ रुपये घटकर 10,53,891.62 करोड़ रुपये और टीसीएस के मूल्यांकन में 578.89 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 12,45,418.09 करोड़ रुपये रह गया। इसके ?विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 2,537.56 करोड़ रुपये बढ़कर 5,48,382.85 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 415.33 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 6,26,083.70 करोड़ रुपये पर पहुंचा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमश÷ एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फाइनेंस और आईटीसी का स्थान रहा।

जेएसएल स्टील महाराष्ट्र में 40,000 करोड़ के निवेश को लेकर गंभीर- प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली, (ए.)। जिंदल स्टेनलेस (जेएसएल) ने अपने प्रस्तावित 40,000 करोड़ रुपये के स्टेनलेस स्टील विनिर्माण संयंत्र के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर महाराष्ट्र सरकार के साथ बातचीत शुरू कर दी है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने इसकी जानकारी दी। वर्तमान में जेएसएल स्टेनलेस के हिसार (हरियाणा) और जाजपुर (ओडिशा) के संयंत्रों की क्षमता 30 लाख टन सालाना है और कंपनी का उद्देश्य इसे 2026-27 तक बढ़ाकर 42

सीरिया में टेक्नो बिल्ड प्रदर्शनी में इंडस्ट्रीयन कंपोनेंट पेश किये गये। इस प्रदर्शनी में 500 से अधिक कंपनियों ने कई प्रकार की सेवाओं के अलावा निर्माण , व इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सामान पेश किये।

चालू वित्त वर्ष में भी दोपहिया वाहनों की बिक्री में रहेगी तेजी: टीवीएस मोटर

- वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हुआ

नई दिल्ली, (ए.)। टीवीएस मोटर कंपनी के सीईओ ने कहा है कि आयकर में छूट, बुनियादी ढांचे पर खर्च में वृद्धि और सामान्य मानसून की उम्मीदों से घरेलू दोपहिया वाहन उद्योग में चालू वित्त वर्ष में भी वृद्धि की रफ्तार कायम रहने की उम्मीद है। कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण आठ प्रतिशत बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 1,75,27,115 इकाई था। कंपनी अ?धिकारी ने विश्लेषकों से बातचीत में कहा ?कि हमें उम्मीद है कि घरेलू बाजार में कुल मिलाकर वृद्धि की गति पिछले साल की तरह ही रहेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही बिक्री के मामले में मध्यम हो सकती है, लेकिन मई और जून में बिक्री मजबूत रहने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों माह के दौरान कई शादी-विवाह के दिन हैं।

मंडियों में आवक घटने और मांग बढ़ने से तेल-तिलहन कीमतों में तेजी रही

मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी कम

नई दिल्ली, (ए.)। बीते सप्ताह मंडियों में कम आवक और मांग बढ़ने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए। इसके बावजूद मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी कम है। बाजार सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में जो सुधार देखा गया वह पिछले सप्ताह की कीमत के मुकाबले जरूर आया है पर इसे सुधार कहना अनुचित होगा। जैसे नवंबर, 2024 में जिस सीपीओ का दाम 1,310 डॉलर प्रति टन था वह घटकर 1,025-1,030 डॉलर टन रह गया है। अब अगर सीपीओ का मौजूदा दाम बढ़कर 1,035-1,040 डॉलर हो जाये तो इसे 'तेल कीमतों में भारी तेजी' बताना सही नहीं होगा। संभवत÷ इसी तरह की समीक्षाओं की वजह से भी देश के तेल-तिलहन उत्पादन को आघात पहुंचा है और देश खाद्य तेलों के मामले में आयात पर निर्भर होता चला गया है। सूत्रों ने कहा कि विदेशों में दाम टूटने के बीच कच्चे पाम तेल (सीपीओ) की मांग बढ़ने लगी है। मलेशिया में सीपीओ का उत्पादन बढ़ने का समय है और उम्मीद है कि इसका दाम सोयाबीन तेल से और घटेगा और उसके बाद इसकी मांग में अभी के मुकाबले और सुधार होगा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 185 रुपये के सुधार के साथ 6,460-6,560 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 675 रुपये के सुधार के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश÷ 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमश÷ 2,435-2,535 रुपये और 2,435-2,560 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश÷ 125-125 रुपये सुधार के साथ क्रमश÷ 4,600-4,650 रुपये और 4,300-4,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश÷ 500 रुपये, 350 रुपये और 400 रुपये बढ़कर क्रमश÷ 13,550 रुपये, 13,300 रुपये और 9,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रविवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार र?विवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि कच्चे तेल की बात करें तो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए लीटर, डीजल 90.03 रुपए टर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपए लीटर, डीजल 91.82 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए लीटर, डीजल 92.39 रुपए लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए लीटर, डीजल 88.14 रुपए लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए लीटर, डीजल 88.99 रुपए लीटर व अन्य शहरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है।

खाद निर्माता कंपनी कोरमंडल हर शेयर पर देगी 9 रुपए का डिविडेंड

नई दिल्ली, (ए.)। खाद उत्पादक कंपनी कोरमंडल ने मार्च 2025 में समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी का प्रदर्शन इस साल काफी अच्छा रहा है। मार्च तिमाही में कंपनी का राजस्व 5,114 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही के 3,996 करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है। इसी तरह मुनाफा भी 164 करोड़ से बढ़कर 578 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का कुल राजस्व 24,444 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 22,290 करोड़ रुपये था। कंपनी का नेट प्रॉफिट भी 1,641 करोड़ से बढ़कर 2,055 करोड़ रुपये हो गया है। बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए कोरमंडल इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 9 रुपये डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसमें से 6 रुपये अंतिम लाभांश और 3 रुपये विशेष लाभांश के रूप में दिया जाएगा।

चीन में महिलाओं की विश्व एथलेटिक रिले रेस में भाग लेती हुई प्रतियोगी।

पाकिस्तान के सीजफायर उल्लंघन पर भड़के सहवाग बोले, कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती

नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने सीजफायर उल्लंघन के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती। दोनो देशों के बीच शनिवार शाम को सीजफायर की घोषणा के कुछ समय के अंदर ही पाक सेना ने फिर गोलीबारी शुरु कर दी थी। पाकिस्तान की इस हरकत से सहवाग ही नहीं सभी देशवासी भड़क गये थे।

इसी को लेकर सहवाग ने ट्वीट करते हुए एक तस्वीरी पोस्ट की जिसमें लिखा था, कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती। इस एक लाइन से उन्होंने पाक को कुत्ता बता दिया है। ÷ इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की किभारत और पाकिस्तान ''तत्काल और पूर्ण'' संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। वहीं पाक ने जब भारत पर दोबारा हमले शुरू कर दिये तो सहवाग ने एक और ट्वीट किया था. उन्होंने लिखा था,÷ जब उसके पास चुप रहने का मौका था तो उन्होंने अपने आतंकवादियों को बचाने के लिए युद्ध छेड़ दिया। यह उनके बारे में बहुत कुछ कहता है। हमारी सेना उन्हें ऐसा जवाब देगी, जिसे पाक हमेशा याद रखेगा।'

इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाएंगे विराट, टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की कही बात

नई दिल्ली, (ए.)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का मन बना लिया है। ऐसे में उनके इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा बनने की संभावना कम है। हालांकि, बीसीसीआई के एक उच्च अधिकारी ने कोहली से इस फैसले पर दोबारा सोचने को कहा है। अब देखना होगा कि चयन समिति जब इंग्लैंड दौरे के लिए टीम का ऐलान करेगी, तब कोहली के भविष्य को लेकर क्या फैसला होता है।

विराट से पहले रोहित शर्मा ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। 7 मई को उन्होंने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की और रेडबॉल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। हालांकि वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में मैच खेलते रहेंगे, जो उनका मजबूत पक्ष रहा है।

रोहित शर्मा की तरह विराट कोहली ने भी टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में रोहित और कोहली की जोड़ी क्रिकेट फैन्स को वनडे में खेलती हुई दिखेगी। वहीं दोनों वर्तमान में आईपीएल क्रिकेट में खेलते हुए दिखे, जिसे फिलहाल

भारत-पाकिस्तान के तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था।

भारत के चयनकर्ता कुछ दिनों में इंग्लैंड में अगले महीने होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम चुनने के लिए मिलने वाले हैं। यह जानकारी मिली है कि कोहली इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से अपने टेस्ट भविष्य पर विचार कर रहे थे, जब उन्होंने पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद खराब प्रदर्शन किया था।

36 साल के विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खेलते नजर आए थे। जहां भारत को 5 मैचों की सीरीज में 1-3 से हार मिली थी। कोहली ने सीरीज के पहले मैच में शतक जरूर लगाया था, लेकिन इसके बाद वह संघर्ष करते दिखे थे। कोहली ने तब उस सीरीज के 5 मुकाबलों की 9 पारियों में 23.75 के एवरेज से महज 190 रन बनाए थे। इसमें पर्थ में जड़ा गया 100 रनों का नॉट आउट शतक भी शामिल था। कोहली का टेस्ट डेब्यू जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्सटन में हुआ था। कोहली ने तब पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 15 रन बनाए थे। वहीं कोहनी ने आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था, जो जनवरी 2025 में खेला गया था। इस आखिरी टेस्ट में कोहली ने पहली पारी में 17 तो दूसरी पारी में 6 रन बनाए थे। कोहली का क्रिकेट कॅरियर 123 टेस्ट, 210 पारी, 9230 रन, 46.85 एवरेज, 30 शतक, 31 अर्धशतक 302 वनडे, 290 पारी, 14181 रन, 57.88 एवरेज, 51 शतक, 74 अर्धशतक, 5 विकेट 125 टी20, 117 पारी, 4188 रन, 48.69 एवरेज, 1 शतक, 38 अर्धशतक, 4 विकेट आईपीएल-2025 में प्रदर्शन विराट कोहली फिलहाल आईपीएल-2025 में व्यस्त थे, जहां उनके बल्ले से रनों की जड़ी लगी थी। उन्होंने अब तक हुए 11 मैचों में 505 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली का एवरेज 63.12 और स्ट्राइक रेट 143.46 का रहा।

दूध डेयरियों पर जहरीला केमिकल युक्त मिलावटी दूध का व्यापार, खाद्य विभाग की भूमिका पर सवाल

-रात को भरे गए जैन डेयरी संचालक के मिश्रित दूध सेंपल, करैरा से आता है केमिकल

- छेना पानी बता कर लाए गए केमिकल को पीने से हटे खुद जिम्मेदार

शिवपुरी ब्यूरो। जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा इस क्रम में एक और गंभीर मामला सामने आया है जहां पुरानी शिवपुरी लुहारपुरा पुलिया पर स्थित जैन दूध डेरी के संचालक मुकेश जैन द्वारा कथित तौर पर सिंथेटिक दूध और केमिकल युक्त डेरी प्रोडक्ट्स की सप्लाई की गई। यह घटना अशोक विहार कॉलोनी में आयोजित एक भोजन समारोह के दौरान तब उजागर हुई जब रसगुल्ला बनाने के लिए दूध को फाडने की प्रक्रिया में नींबू खटाई और टाटरी के उपयोग के बावजूद दूध नहीं फटा तो कार्यक्रम आयोजकों ने आश्चर्य जताते हुए इस सम्बंध में प्रशासन से शिकायत की। आयोजक बीपी शर्मा ने बताया कि उनके द्वारा जैन दूध डेरी से 500 लीटर दूध और 20 किलोग्राम मावा ऑर्डर किया था। रात को जब हलवाई ने रसगुल्ला के लिए दूध से छेना बनाने का प्रयास किया तो दूध तीन बार प्रयास के बाद भी नहीं फटा। डेरी संचालक मुकेश जैन को सूचना दी गई जो एक प्लास्टिक केन में कथित छेना पानी के नाम पर केमिकल लेकर पहुंचे। आयोजकों ने जब उनसे दूध न फटने का कारण पूछा तो उन्होंने दावा किया कि वह एक मिनट में दूध फाड़ देंगे। हालांकि उनके द्वारा लाए गए लिक्विड को सूंघने पर तेज दुर्गंध और आंखों में जलन हुई जिसे उपस्थित लोगों ने टॉयलेट में उपयोग होने वाले तेजाब जैसा रसायन बताया। आयोजकों ने इस लिक्विड को खाद्य पदार्थ में मिलाने से इनकार कर दिया और तर्क दिया कि डेयरी संचालक जिसे छेना पानी बता रहे हैं वे खुद इसे पीकर दिखाएं। इस प्रस्ताव पर वह पीछे हट गए। घटना की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को दी गई। रात 10 बजे से 11:30 बजे तक एडीएम दिनेश चंद्र शुक्ला के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीमए जिसमें खाद्य निरीक्षक बीड़ी शर्मा और श्री मिश्रा शामिल थे ने मौके पर पहुंचकर सैंपलिंग की। शुरुआत में निरीक्षक बीड़ी शर्मा ने कथित केमिकल को बिना जांच के ही केवल पानी बताकर डेरी संचालक की पैरवी करने की कोशिश की। जब उपस्थित लोगों ने उनसे भी इसे पीकर दिखाने को कहा, तो वह भी पीछे हट गए। मामला बिगड़ते देख खाद्य टीम ने चार बोतलों में दूध और मावा के सैंपल लिए गए, लेकिन दही का सैंपल लेने से टीम ने देरी का हवाला देकर इंकार कर दिया।

केमिकल युक्त दूध का चौंकाने वाला खुलासा

डेयरी संचालक मुकेश जैन ने खुद स्वीकार किया कि करेरा के संजू नामक व्यक्ति द्वारा सप्लाई किया जा रहा एक केमिकल वह दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स में मिलाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह केमिकल जिले भर की डेयरियों में उपयोग होता है हालांकि इस रसायन का नाम उन्हें नहीं पता। इस स्वीकारोक्ति के बावजूद खाद्य निरीक्षक बीड़ी शर्मा ने इस केमिकल का सैंपल लेने से इंकार कर दिया, जिससे उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठे।

लोगों के बीमार पडने पर भी नहीं जाग रहा प्रशासन

यहां बता दें कि पूर्व में भी मिलावट के मामले सामने आए हैं इसी जैन दूध डेयरी का यह पहला मामला नहीं है। गत मार्च में खाद्य विभाग ने इस डेरी के खोया, घी और मिश्रित दूध के सैंपल को सब.स्टैंडर्ड पाया था। इसके बावजूद विभागीय मिलीभगत के कारण यह गोरखधंधा जारी है। इसके अलावा उदय विलास होटल में पिछले साल एक विवाह समारोह के दौरान फूड पॉयजनिंग से 100 से अधिक लोग प्रभावित हुए थे जिन्हें ग्वालियर और दिल्ली रेफर करना पड़ा था। इन घटनाओं के बाद भी प्रशासन मिलावट पर अंकुश नहीं लगा पाया है। मौके पर मौजूद अधिवक्ता जितेंद्र शर्मा और मनोज राजौरिया ने बताया कि डेरी संचालक की स्वीकारोक्ति और केमिकल का उपयोग गंभीर स्वास्थ्य खतरा है। उनका कहना है कि खाद्य निरीक्षकों की मिलीभगत के कारण यह धंधा फल.फूल रहा है। लोगों ने चेतावनी दी कि वैवाहिक सीजन में नकली पनीर, सिंथेटिक दूध और अन्य मिलावटी प्रोडक्ट्स बड़ी फूड पॉयजनिंग का कारण बन सकते हैं।

इनका कहना है

हमें मिलावटी दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स की शिकायत प्रशासन के जरिए मिली थी, और इनकी सैंपलिंग के निर्देश मिले थे। अशोक विहार पार्क में रात को जैन दूध डेयरी के दूध और मावे के सैंपल लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए भोपाल भेजा गया है ।

बीडी शर्मा, खाद्य निरीक्षक शिवपुरी

कनाखेड़ी गांव में मारपीट के बाद एफआईआर से भड़के दबंग, एसपी से लगाई गुहार

पीड़ित परिवार को गांव में घुसने से रोका, दूसरे गांव में बिताई रात

शिवपुरी ब्यूरो। पोहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत कनाखेड़ी गांव में पुराने विवाद को लेकर मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज कराने के बाद भी पीड़ित परिवार की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराने के बाद जब परिवार गांव लौटा, तो रास्ते में उन्हें घेरकर गांव में घुसने से रोक दिया गया। जान से मारने की धमकी भी दी गई, जिसके बाद पीड़ितों को रात एक अन्य गांव में शरण लेनी पड़ी। रविवार को पीड़ित परिवार एसपी कार्यालय पहुंचा और सुरक्षा की गुहार लगाई। पीड़िता घुमा चिड़ार ने बताया कि गांव के बाइसराम चिड़ार से भूसे को लेकर पहले से ही विवाद चला आ रहा था। शनिवार दोपहर उनका पोता खेलते हुए घर से बाहर चला गया, जिसे ढूंढने निकली उसकी मां रूबी को रास्ते में बाइसराम चिड़ार मिला। यहां बाइसराम ने उसे गालियां दीं। रूबी के बताए अनुसार जब दीपक और निखिल बाइसराम से पूछने गए तो उसने लाठी से हमला कर दिया। शोर सुनकर मोहन चिड़ार मौके पर पहुंचे तो कुमेर, सुनील और सोनू भी आ गए और सभी ने मिलकर हमला किया। पोहरी थाने में पीड़ितों की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन पीड़ित परिवार का आरोप है कि केस दर्ज होने के बाद जब वे गांव लौट रहे थे, तब मचा घूम के पास तीन बाइकों पर सवार करीब नौ लोगों ने उन्हें घेर लिया और धमकियां दीं कि अगर गांव में घुसे तो जान से मार देंगे। पीड़ितों ने पोहरी थाने में दोबारा सूचना दी और गांव सुरक्षित पहुंचाने की मांग की, लेकिन पुलिस ने सिर्फ एफआईआर दर्ज होने की बात कहते हुए कोई मदद नहीं की। इस डर से पूरा परिवार रात सिंहनिवास गांव के पास गुजारने को मजबूर हो गया। रविवार को पीड़ित परिवार शिवपुरी एसपी कार्यालय पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और गांव में पुलिस सुरक्षा की मांग की है। एसपी कार्यालय ने मामले की जांच का भरोसा दिलाया है।

सिविल डिफेंस प्लान को लेकर प्रशासन और पुलिस अलर्ट, सोशल मीडिया पर रहेगी नजर

प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त बैठक आयोजित

शिवपुरी ब्यूरो। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। पहलगाम में हुई घटना के तहत ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न हुई परिस्थितियों के बाद जिले में कहीं भी कोई अप्रिय घटना घटित ना हो, इसलिए जिला प्रशासन और पुलिस की टीम को भी सतर्क रहकर काम करना है। हर आपात स्थिति के लिए हमारी तैयारी होना चाहिए। जिले में सिविल डिफेंस दल का भी गठन किया गया है। रविवार को समस्त एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ सहित एसडीओपी और समस्त थाना प्रभारी के साथ बैठक आयोजित की गई।

कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने कहा है कि जिले में सिविल डिफेंस दल का गठन किया गया है। मेडिकल टीम को भी 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। जिले में वालंटियर की भर्ती की जाएगी जिसके फॉर्म वितरित किए जाएंगे। इसके लिए पोर्टल भी तैयार किया जा रहा है जहां वालंटियर रजिस्टर कर सकते हैं। व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा अपील भी जारी की गई है। पुलिस और प्रशासन की टीम को विशेष कर सोशल मीडिया पर निगरानी करना है। किसी भी भ्रामक जानकारी के कारण जिले में कोई भी सांप्रदायिक हिंसा या उन्माद का वातावरण ना बने। कोई भी गलत जानकारी प्रसारित न की जाए, जिसके कारण कोई अप्रिय घटना घटित हो। इस संबंध में लोगों को जागरूक करना है।

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने कहा कि पुलिस और प्रशासन की टीम को एकजुट होकर काम करना है। यदि किसी भी संदिग्ध की जानकारी मिलती है तो तत्काल कार्रवाई करें। एसडीएम और एसडीओपी फील्ड भ्रमण भी करें। अभी वालंटियर नियुक्त किए जाएंगे। आपात स्थिति में किस प्रकार निपटाना है इसके लिए प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विशेष कर हमारी टीम को ऐसी घटनाओं पर निगरानी करनी है जिसके कारण जिले में कोई घटना घटित ना हो। जिले में फर्जी सिम बेचने वालों पर भी कार्यवाही करने के निर्देश समस्त थाना प्रभारी को दिए हैं।

बॉक्स

जिले में ड्रोन के उपयोग को लेकर कलेक्टर ने जारी किया आदेश

जिले में निजी व्यक्तियों एवं संस्थाओं द्वारा ड्रोन के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। रविवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ड्रोन के उपयोग को लेकर निर्देश दिए गए। निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार चौधरी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी किया है। जिसके तहत शिवपुरी जिले के अंतर्गत समस्त निजी व्यक्तियों एवं संस्थाओं द्वारा ऐसे संवेदनशील सैन्य संस्थाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान जैसे रिफाइनरी, बिजली संयंत्र, हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, तेल डिपो, रासायनिक संयंत्र, सामरिक महत्व के स्थलों पर ड्रोन का उपयोग नहीं कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त ड्रोन का उपयोग करने के संबंध में संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी से अनुमति लेना होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

जमीनी विवाद को लेकर महिला के साथ ससुरालियों ने की मारपीट

देवरानी और जेठ-जेठानी पर हमले का आरोप; अस्पताल में भर्ती महिला को धमकाया

शिवपुरी ब्यूरो। कमलागंज घोसीपुरा में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मकान निर्माण को लेकर चल रहे विवाद में मेहरुनिशा नामक महिला के साथ उसके परिजनों ने मारपीट की। शनिवार को मेहरुनिशा ने बताया कि देवरानी सायना खान गालियां देती हुई उनके घर पहुंची। इसके बाद जेठ मजीद खान और जेठानी सायदा ने भी आकर मारपीट की। गंभीर चोटों के कारण मेहरुनिशा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता ने फिजिकल थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर लिया। रविवार सुबह जब मेहरुनिशा अस्पताल में भर्ती थी, तब देवरानी सायना खान कुछ अन्य लोगों के साथ वार्ड में घुस आई। उन्होंने मेहरुनिशा को जान से मारने की धमकी दी। इस घटना की शिकायत पीड़िता ने कोतवाली थाने में दर्ज कराई है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

कार-बाइक की जोरदार भिड़न्त, दो लोग गंभीर रूप से घायल

शिवपुरी ब्यूरो। पोहरी में सीएम राइज स्कूल के सामने रविवार सुबह एक बाइक और कार की सीधी टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में बाइक कार के नीचे फंस गई। हादसे में बाइक सवार गुजरीपुरा निवासी अंकेश पाल उम्र 20 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे पहले जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर स्थिति के कारण मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। कार क्रमांक एमपी 08 जेडए 5972 गुना जिले के रहने वाले राम गुप्ता चला रहे थे। वहीं कार में उनकी पत्नी स्वाति गुप्ता सवार थी। स्वाति पोहरी में अपने ताऊ की हुई गमी में शामिल होने आ रही थी। टक्कर में घायल महिला को पहले पोहरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो युवक एसएएफ में फर्जी दस्तावेजों से हुए भर्ती, एफआईआर दर्ज, आधार कार्ड में बायोमेट्रिक बदलकर दी परीक्षा

शिवपुरी ब्यूरो। शिवपुरी की एसएएफ 18वीं बटालियन में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भर्ती हुए दो युवकों के खिलाफ सतनवाड़ा पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई शनिवार शाम को की गई। वर्ष 2023 में एसएएफ 18वीं बटालियन शिवपुरी में आरक्षक और रेडियो पद के लिए भर्ती परीक्षा हुई थी। नियुक्ति से पहले दस्तावेजों की जांच में दो अभ्यर्थी फर्जी पाए गए। पहला अभ्यर्थी निर्भय सिंह गुर्जर ग्वालियर के भंवरपुरा का रहने वाला है। दूसरा अभ्यर्थी भूपेन्द्र सिंह गुर्जर ग्वालियर के डबरा का निवासी है। जांच में पता चला कि दोनों अभ्यर्थियों ने 23 अगस्त 2023 को हुई लिखित परीक्षा से पहले और बाद में आधार कार्ड में बायोमेट्रिक बदलाव किया। भर्ती में लगाए गए फोटो भी उनके असली फोटो से अलग थे। 18वीं वाहिनी के सहायक सेनानी ने 9 मई 2025 को इस गड़बड़ी की सूचना सतनवाड़ा थाने को भेजी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 419, 420 और परीक्षा अधिनियम 1982 की धारा 3/4 के तहत केस दर्ज किया है।

पिछोर एसडीओपी शर्मा अचानक रात्रि में मायापुर पहुंचे, रात्रि गश्त एवं थाने का किया निरीक्षण

शिवपुरी ब्यूरो। रात्रि के समय पुलिस की रात्रि गश्त में अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों एवं अवैध गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में 10-11 मई की दरम्यानी रात्रि को पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा अचानक मायापुर पहुंचे जहां उन्होंने रात्रि गश्त में लगे बल को चैक किया और इसके बाद थाने पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। थाने के महत्वपूर्ण रजिस्टरों को चैक कर थाने पर की जा रही कार्यवाहियों के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान एसडीओपी श्री शर्मा को थाने में रात्रि दफ्तर ड्यूटी में प्रआर दीवान सिंह एवं आरक्षक विक्रांत उपस्थित मिले। इसके बाद थाना प्रभारी नीतू सिंह को बुलाए जाने पर थाने में उपस्थित हुई और इसके बाद थाने के महत्वपूर्ण रजिस्टर को चेक किया एवं टीप लगाई। साथ ही थाने के सीसीटीवी कैमरे चालू पाए गए। वहीं थाने की हवालात में कोई बंदी नहीं पाया गया। एसडीओपी ने रात्रि गश्त में लगे बल को अच्छे से गश्त करने एवं गुंडा एचएस चेक करने के निर्देश दिए।

पुष्कर में सोशल मीडिया पर झूठी खबर फैलाने वाला युवक गिरफ्तार, भ्रामक जानकारी फैलाने की थी कोशिश

अजमेर। पुष्कर (अजमेर) सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने के मामले में पुष्कर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फेसबुक पर जयपुर में बहुत बड़ा धमाका शीर्षक से झूठी पोस्ट डालकर जनमानस में भ्रम फैलाने का प्रयास किया। जिला पुलिस सोशल मीडिया सेल को उक्त पोस्ट की जानकारी प्राप्त होने के पश्चात अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीपक कुमार और वृत्ताधिकारी रामचन्द्र चौधरी के निर्देशन में कार्रवाई के आदेश दिए गए। पुष्कर थानाधिकारी विक्रम सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पोस्ट करने वाले व्यक्ति की पहचान की। आरोपी की पहचान राजूनाथ पुत्र सुगन नाथ (उम्र 51 वर्ष) निवासी ग्राम कुडकी, हाल निवासी पोकरियों की ढाणी, गनाहेड़ा (पुष्कर) के रूप में हुई। आरोपी पुष्कर में एक फैक्टरी में सिलाई का कार्य करता है। पुलिस टीम ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तथा उसके मोबाइल फोन से भ्रामक पोस्ट को हटवाया। प्रथम दृष्टया में सामने आया कि आरोपी ने सनसनी फैलाने की नीयत से यह पोस्ट साझा की थी। पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है और जरूरत पड़ने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी सूचना को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि अवश्य करें। किसी भी प्रकार की झूठी या भ्रामक जानकारी फैलाना कानूनन अपराध है। यदि किसी को इस प्रकार की कोई सूचना प्राप्त होती है, तो तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचित करें। पुलिस का यह त्वरित कदम सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की दिशा में सराहनीय माना जा रहा है।

शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉ.कांता मीना का हुआ बहुमान

हर बच्चे में होती है प्रतिभा मौका मिले तो निखरेगी : डॉ. मीना

जयपुर। मीणा समाज,अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त महासंघ (समस्त विभाग),राजस्थान द्वारा टाऊन हाल म्यूजियम सर्किल के पास,बीकानेर में आयोजित संभाग स्तरीय स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना द्वारा शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में लगातार किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्मृति चिन्ह भेंट करके बहुमान किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना ने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई ना कोई प्रतिभा होती है अगर उन्हें मौका दिया जाएं तो प्रतिभा जरूर निखार लाएगी,साथ ही ऐसे कार्यक्रम समय समय पर आयोजित होते रहना चाहिए जिससे एक दूसरे की समस्याओं का पता चल सके ओर मिलकर उनका समाधान करवाया जा सके। समारोह में मुख्य अतिथि बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास,विशिष्ट अतिथि बीकानेर विकास प्राधिकरण बीकानेर के सचिव आरएएस डॉ.कुलराज मीणा,कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ.सियाराम मीणा, पीबीएम अस्पताल के सीनियर स्पेशलिस्ट डॉ. मनोज कुमार मीना,प्रोफेसर डॉ.श्याम लाल मीणा,वरिष्ट समाजसेवी बाबू लाल छोलक,अजा जजा एवं पिछड़ी जाति अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम सुन्दर बिश्नोई,महासंघ के संयोजक मोहर सिंह सलावद,जिलाध्यक्ष जयपाल मीणा आदि रहे। डॉ.मीना की दो पुस्तकें कहानी संग्रह तरुशिखा व कविता संग्रह कैलाशी प्रकाशित हों चुकी है। व इनका लेखन कार्य अनवरत जारी है।

100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से 50 करोड़ की ठगी, सरकारी टीचर गिरफ्तार; कांस्टेबल भाई अब भी फरार

अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दो सगे भाइयों ने करोड़पति बनने का सपना दिखाकर 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से करीब 50 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। इस फर्जीवाड़े को अंजाम देने वालों में एक आरोपी सरकारी स्कूल में शिक्षक है और दूसरा पुलिस कांस्टेबल, जो इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई कर आरोपी सरकारी शिक्षक कुलदीप मीणा (34) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका भाई और मुख्य साजिशकर्ता पुलिस कांस्टेबल पवन मीणा अब भी फरार है। कुलदीप को पकड़ने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि वह लगातार हुलिया और ठिकाना बदलकर बचता रहा। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। क्लॉक टॉवर थाना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कुलदीप को गिरफ्तार किया गया। उसके बैंक खाते से करीब 18 लाख रुपये की राशि भी बरामद की गई है। उसे कोर्ट में पेश कर पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचा जा सके। इस हाई-प्रोफाइल ठगी का पर्दाफाश तब हुआ जब मदनगंज-किशनगढ़ में तैनात कांस्टेबल दीपक वैष्णव ने क्लॉक टॉवर थाने में मामला दर्ज करवाया। शिकायत में उसने बताया कि उसका बैचमेट पवन मीणा अक्सर थानों में आकर बड़े प्रोजेक्ट्स में निवेश और चौगुनी कमाई का झांसा दिया करता था। पवन और उसके भाई कुलदीप ने मिलकर एक फर्जी इन्वेस्टमेंट कंपनी बनाई, जिसके तहत उन्होंने दावा किया कि निवेशकों का पैसा नेशनल हाईवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में लगाया जाएगा। इस भरोसे के जाल में आकर कई पुलिसकर्मियों ने अपनी मेहनत की कमाई इस स्कीम में लगा दी। एसपी वंदिता राणा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत मिलते ही कांस्टेबल पवन मीणा को 25 दिन पहले ही निलंबित कर दिया गया। दोनों भाइयों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे पवन की तलाश में जुटी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह ठगी योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। पवन मीणा ने न सिर्फ अपनी वर्दी और पद का दुरुपयोग किया, बल्कि पुलिस विभाग के भीतर अपने नेटवर्क के जरिए आसानी से अन्य पुलिसकर्मियों को भरोसे में लिया और बड़ी राशि हड़प ली। इस घटना ने पुलिस विभाग के आंतरिक तंत्र और भरोसे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नोटिस निस्वत दिखाने वजह के (आम तौर पर)
न्यायालय अपर जिला जज/त्वरित न्यायालय प्रथम, आगरा

प्रकीर्ण वाद सं. 155/2023

श्री अजय सारस्वत आदि .....प्रार्थीगण

बनाम

श्री अभिषेक सारस्वत.....विपक्षीगण

बनाम

श्रीमती शैलजा शर्मा पत्नी श्री मुकुल शर्मा निवासी-डी-11, आनंद नगर, अन्ना सागर के पास, अजमेर, राजस्थान-305001

जो कि अजय सारस्वत आदि ने दरख्वास्त इस अदालत में गुजरानी है लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप अदालत या मार्फत किसी वकील के जो हालात मुकद्दमा से बसूबी वाकिफहो व तारीख 04.07.2025 व वक्त 10.00 बजे इस अदालत में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफवजह दिखावें। अगर ऐसा न करेगें तो दरख्वास्त मजकूर गैर हाजिर में कए तरफा समात होगी।

आज व तारीख 09. माह 05 सन् 2025 ई. मेरे दरख्वास्त और मुहर अदालत से जारी किया गया।

जज
अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश
जिला आगरा

अहंकार मनुष्य व श्रष्टा के बीच दूरी का मूल कारण - राम चंद्र दास

मातृ दिवस पर माताओं का हुआ सम्मान। माताओं ने कहा न्यास हमारा घर, 21 लोगों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प, 266 मरीज और 27 सेवक हुए उपस्थित

मुरैना,कांस। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई इसके साथ ही 266 मरीजो ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया, विषय बार मरीजो की संख्या इस प्रकार रही -दन्त रोग 89 स्व- जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 73, नाक कान गला 47, सर्जरी 42, अस्थि रोग 45, नैत्र रोग 25, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए -दांतों के सेट0, ब्लड प्रेसर की जाँच 42, ई.सी.जी 1, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 32, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 19, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 32, एम्स में पंजीयन0 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष मे- दांत शल्य क्रिया59, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायिरिया का इलाज22, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष मे प्रारंभ हुई जिसमेङ्क आँखों की जाँच 16 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये, निष्काम भाव से सेवको ने सेवा की। डॉ एस.के.शर्मा, डॉ बी.एल. राजपूत, मुकुल सिंघल, डॉ दीपक बंसल, प्रदीप शर्मा, गुड्डी, लक्ष्मी, कस्तूरी, बबीता, ओमवती, मीरा, राजश्री, विमलेश, गुड्डी, प्रेमा, मनीराम, हाकिम, श्याम शर्मा, दीपू तोमर, मयूर, प्रकाश, रामवीर, रामचरण, महावीर, रामसीता, श्रीनिवास, अंश आदि ने ऋशुल्क सेवाए प्रदान की। प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियो ने अपनी सेवाये परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया। आज परमार्थ न्यास में राम चंद्र दास जी पधारे आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर हृदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि अहंतत्त्व या अहंकार (शब्दशः, मैं करता हूँ) ही मनुष्य और उसके श्रष्टा के बीच प्रतीत होनेवाले वियोग या द्वैतवाद का मूल कारण है। अहंकार मनुष्य को माया के अधीन कर देता है जिसके कारण कर्म करनेवाला (अहंतत्त्व) ही कारण होने का आभास होता है, और श्रष्ट जीव अपने को ही श्रष्टा मानते हैं।

15 दिवसीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन हुआ

मुरैना,कांस। भारत विकास परिषद शाखा एवं जैन इंटरनेशनल स्कूल के संयुक्त तत्वधान में दिनांक 10 मई 2025 से 25 मई 2025 तक 15 दिवसीय बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया है। प्रथम दिन के दौरान योग , व्यायाम, गीता अध्ययन, राष्ट्रीय गीत, ताइकांडो, आर्ट एड क्राफ्ट, संगीत गायन, नृत्य का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का संचालक श्आसाराम प्रजापति के द्वारा किया गया । शिविर का उद्घाटन श्रीमती शारद सोलंकी नगर निगम महापौर के द्वारा किया गया,। शिविर में मुख्य वक्ता के रूप में श्री मती हेमलता राणा का उद्बोधन देवी अहिल्या बाई होकरकर के जीवन पर रहा। उद्घाटन सत्र के दौरान जैन इंटरनेशनल स्कूल के संचालन श्री अजय जैन और प्राचार्य श्री अमित जैन, भारत विकास परिषद के संरक्षक श्री शेखर गर्ग,अध्यक्ष श्रीमती अर्चना शर्मा, सचिव श्रीमती रजनी गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीमती वीना मोदी, महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमती शुभा कोठारी, श्रीमती शिवानी शर्मा, श्रीमती अंजू त्रिवेदी, श्रीमती अल्का बंसल,संस्कार प्रमुख श्री गौरव मोदी,श्री सौरव अग्रवाल, श्री नीरज मोदी,श्री पवन शर्मा,श्री अमित कोठरी श्री आनंद त्रिवेदी, श्री रवि पाठक,श्री गगन गर्ग श्री मनीष कंसाना अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सहनशीलता,त्याग,परिश्रम,प्यार भावना,शक्ति इन सब की मूरत है मां- ब्रह्माकुमारी कृष्णा

मुरैना,कांस। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय मुड़ियाखेड़ा में आज मातृ दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारी कृष्णा दीदी जी ने सभी को बताया ईश्वर हर जगह उपस्थित नहीं हो सकता था इसलिए उसने अपने ही स्वरुप में मां का स्वरूप बनाया और हर एक की छत्रछाया के रूप में मां को वहां रखा, ताकि हर समय हर एक को ईश्वर का सानिध्य महसूस हो। ईश्वर से सभी कहते हैं कि तुम मात-पिता हम बालक तेरे , तो ईश्वर को भी मां का दर्जा दिया है । मां जो भीतर से बहुत सशक्त है, मजबूत है , हृदय जिसका कोमल है । मां की गोद वह स्थान है , जहां जीवन का हर दुख खत्म हो जाता है । मां का दिल वह घर है जिसमें दया,प्रेम ही निवास करते हैं मां वह सूरज है जो बच्चों के जीवन को उजाला देती है । मां के बिना हर एक का जीवन अधूरा है, मां हर बच्चे की ताकत होती है । मां ,परमात्मा और धरती मां से बढ़कर निःस्वार्थ प्रेम कोई कर नहीं सकता ।

हमें अपनी माताओं की आज्ञा का पालन

करना चाहिए और उनके साथ सम्मान से पेश आना चाहिए। यह एक माँ ही है जो अपने बच्चों के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देती है। सभी माताएँ अपने बच्चों की वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वह अपने बच्चे की हर ज़रूरत का ख्याल रखती है। ब्रह्माकुमारीज की शिक्षाओं में, ईश्वर केवल ऊपर से देखने वाला एक दूर का व्यक्ति नहीं है, बल्कि एक प्रेमपूर्ण उपस्थिति है जो प्रतिदिन हमारा पालन-पोषण और देखभाल करता है। ईश्वर को एक माँ के रूप में सोचें जिसका प्रेम इतना विशाल और गहरा है कि यह हमारे जीवन के हर कोने को प्रकाश और गर्मजोशी से भर देता है। इस कार्यक्रम में सभी माताओ का सम्मान किया गया, केक कटिंग की गई एवं सभी ने अपने जीवन के कुछ अनुभव साझा किये ।

सिविल डिफेंस प्लान तैयारियां, संबंधित अधिकारी करे-कलेक्टर

मुरैना,कांस। सिविल डिफेंस के संबंध में संबंधित अधिकारी अपनी प्लानिंग करें, ताकि समय पर तुरंत कार्रवाई को अंजाम दे सकें। ये निर्देश कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित एन आई सी कक्ष में बैठक के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि सीएमओ अपनी अपनी नगरीय निकायों में 5 किलोमीटर के एरिया में 1 सायरन क्रय करके लगाए, ऐसी जगह इंस्टॉल कराएं जहां एक कस्बा आवाज से कवर हो सके । नगर निगम इस तरह के दो सायरन प्लान करेगा। सभी एसडीएम अपने अनुभाग की प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए 2-2 सिविल डिफेंस वालेंटियर की अभी से सूची तैयारी करें। हमें वेबसाइट पर उनके पंजीकरण के लिये फार्म भरवाने है एवं उनकी होमगार्ड वाली ट्रेनिंग करवानी है और उन्हें नियुक्ति पत्र भी जारी करना होगा। इसकी अध्यक्षता कलेक्टर कंट्रोलर के तौर पर करेंगे । यह हमें कल से शुरू करना है और उसका प्रचार प्रसार अभी से प्रारंभ किया जाये। उन्होंने कहा ब्लैकआउट वालेंटियर के नाम सिविल डिफेंस वालेंटियर से अलग है। अगर आपने किसी को ब्लैकआउट वालंटियर आमंत्रित किया है तो उसे आप सिविल डिफेंस वालेंटियर भी बना सकते हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सी वी प्रसाद, कानून व्यवस्था के संबंध में बनाए गए नोडल अधिकारी सुश्री मेघा तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम को और समस्त नगरीय निकायों के सी एम ओ को नगरीय क्षेत्र में अलर्ट हेतु नवीन सायरन क्रय कर लें एवं पुराने चलित स्थिति में रखें। इसी प्रकार उन्होंने सभी एसडीएम , एनएसएस , एनसीसी और ग्राम और नगर सुरक्षा समिति के साथ बैठक कर के सिविल डिफेन्स वालंटियर तैयार करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने सभी एसडीएम अपने क्षेत्र की फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, मेडिकल स्टॉक, फर्स्ट ऐड किट का भौतिक सत्यापन करें और जिले को अवगत करायें।सभी एसडीएम, तहसीलदार अपने क्षेत्र में मोटा अनाज, ईंधन की उपलब्धता का भौतिक सत्यापन करले।

ग्रीष्मकालीन शिविर शुरु

मुरैना,कांस। 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर, दिनांक 5 मई 2025 से 20 मई 2025 तक, न्यू बैरीज पब्लिक स्कूल, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में चल रही है। रविवार को ÷मदर्स डे÷ के अवसर पर बच्चों ने आर्ट्स एंड क्राफ्ट से अपनीङ्कअपनी मां के लिए उपहार बनाकर भेंट किए और मातृ दिवस को मनाया गया।

मृत्यु भोज बंद करने जाटव महापंचायत की टीम थरा पहुंची

थरा सरपंच ने लिया मृत्यु भोज न करने का निर्णय

मुरैना,कांस। ग्राम थरा में जाटव महा पंचायत के सभी सदस्य गण ग्राम पंचायत थरा के सरपंच रसाल सिंह जी की धर्मपत्नी एवं छविराम (मास्टर) नीरज सिंह (म0 प्र0 पु0) की पुज्यनीय माता जी श्रीमती रामदेई जी के मृत्यु हो जाने पर समाज में व्याप्त कुरीति मृत्यु भोज बन्द कराने जैसा कि दिनांक 04.05.2025 जाटव महापंचायत के निर्णय अनुसार जो सभी उपस्थित समाज के बन्धुओं द्वारा संकल्प लिया के मृत्यु होने पर कोई भी व्यक्ति मृत्यु भोज नहीं करेगा एवं न मृत्यु भोज में खाना खायेंगें इसी संकल्प को पूर्ण करने हेतु जाँच में सभी सदस्यगण उपस्थित होकर के संकल्प करते है। भविष्य में इसी तरह की श्रुतियों हो बंद करने का प्रण लेते हैं। इसी बात पर ग्राम के सभी सदस्यजण उपस्थित होकर जाटव महापंचायत के सदस्यों के समक्ष श्री रसाल सिंह सरपंच की पत्नी का मृत्यु भोज न करने का निर्णय लिया गया है।

महाराजपुर से सटी पंचायतें अपडेट रहें

मुरैना,कांस। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के निर्देश पर एस डी एम मुरैना श्री बी एस कुशवाह ने बानमोर तहसील में पटवारियों की बैठक ली बैठक में उन्होंने कहा महाराजपुर हवाई अड्डे से सटी सभी पंचायतों के पटवारी अपडेट रहें । किसी सूचना का आदान-प्रदान करने में विलंब न हो । उन्होंने बताया कि ग्वालियर एयरपोर्ट से संबंधित ग्राम पंचायत सरपंच सचिव रोजगार सहायक एवं पटवारी, कोटवार हर गतिविधियों को अपने अधिकारियों को फीडबैक दे। अफवाहों पर ध्यान न दें और बाहरी व्यक्तियों को कोई बात सैयर न करें।बैठक में जनपद सीईओ भी शामिल रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2025

बानमोर तालाब पर ग्राम माऊपुरा में साफ़ सफाई कराई

मुरैना,कांस। प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग मुरैना के मार्गदर्शन में जल संसाधन संभाग मुरैना के अधीन जल संसाधन ए.बी.सी. उपसंभाग क्र. 2 मुरैना के उपयंत्री श्री सुरेश चन्द्र शर्मा, श्री देवेन्द्र गौड एवं श्री मुलायम सिंह तोमर हेल्पर, श्री विनोद सिकरवार हेल्पर तथा विभागीय श्रमिकों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा 10 मई को बानमोर तालाब पर ग्राम माऊपुरा की तरफ साफ सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया। तथा सभी ने एक जुट होकर श्रमदान किया।

युवक की संदिग्ध मौत

मुरैना,कांस। जिले के माता बसैया थाना क्षेत्र में अनिल राजौरिया के ईट भट्टे पर काम करने वाले बादल पुत्र मोहन लाल जाटव उम्र 23 साल निवासी सवाई आगरा हाल ईट भट्टा माता बसैया की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। थाना पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही शव का मौका पंचनामा बनाकर उसका पीएम कराकर फरियादी सत्यप्रकाश पुत्र किशनलाल की रिपोर्ट पर से मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। इसी प्रकार एक अन्य जानकारी के अनुसार नगरा थाना क्षेत्र के ग्राम खडिया में निवास करने वाले नरेन्द्र पुत्र राधाकृष्ण सिंह तोमर उम्र 36 साल ने अज्ञात कारणो के चलते अपने घर पर जहर का सेवन कर लिया था जिसकी हालत खराब होने पर उसे विरला हॉस्पीटल ग्वालियर में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था, जहॉ उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है।

नवजात शिशु का शव नाले में मिला

मुरैना,कांस। कोतवाली थाना क्षेत्र के इस्लामपुरा में एक गली के नाले में एक नवजात शिशु का शव मिला, जिसे कोई कलियुगी महिला अपना पाप छुपाने के उद्धेश्य से नाले में फैक गई, सुबह जब इसकी सूचना थाना पुलिस को मिली तो पुलिस ने मौके पर पहुँच कर शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पीएम कराकर मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है।

घर में घुसकर महिला से छेडछाड

मुरैना। महुआ थाना ग्राम रनहेरा में निवास करने वाली महिला श्रीमती प्रियादेवी पत्नी जितेन्द्र सखवार अपने घर पर अकेली थी कि उसी समय महिला को धर में अकेला पाकर आरोपी बबलू पुत्र अमर सिंह सखवार ने घर में घुसकर महिला के साथ अश्लील हरकते करते हुए छेडछाड कर दी जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। जिसकी सूचना महिला ने अपने परिजनो को दी तो उन्होने पीडित महिला को थाने ले जाकर आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 74,351(2)331(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

कैलारस नहर के पास सुने मकान में लगी आग लाखो का हुआ नुकसान

नगदी रुपये गहने सहित घर गृहस्थी का सामान जलकर हुआ राख, फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुचकर पाया आग पर काबू

कैलारस। थाना कैलारस क्षेत्र अंतर्गत बार्ड नम्बर 7 अयोध्या बस्ती शांति विहार कालोनी नहर के सामने सूने मकान में लगी आग से लाखों रुपये का नुकसान हो गया वही मकान भी छतिग्रस्त हो गया भावना शर्मा पत्नी राधाकृष्ण शर्मा ने बताया कि हम सभी लोग परिवार जनों के साथ कल गांव में शादी में शामिल होने के लिए गए हुए थे तभी आज सुबह हमे हमारे पड़ोसियों एव राहगीरों ने फोन पर सूचना दी कि आपके मकान में आग लग गई हैं सूचना मिलते ही हम सब परिवार जन कैलारस अपने मकान पर पहुचे तो मकान के अंदर आग लग रही थी वहा पर मोजूद लोगो ने फायरब्रिगेड ओर कैलारस पुलिस को सूचना दे दी सूचना मिलते ही कैलारस फायरब्रिगेड गाड़ी मोके पर पहुची ओर आसपास के लोगो ओर फायरब्रिगेड गाड़ी पर मोजूद स्टाफ की मदत से आग पर काबू पाया आग इतनी तेज थी कि किसी की भी मकान में अंदर जाने की हिम्मत नही हो रही वही आग बुझने के बाद अंदर जाकर देखा तो सोना, चांदी, महत्वपूर्ण दस्तावेज सहित घर गृहस्ती का पूरा सामान जलकर राख हो गया इस आगजनी से लाखों रुपये जा नुकसान हुआ हैं आगजनी की सूचना मिलते ही कैलारस थाना उपनिरीक्षक संतोष गौतम, आरक्षक बृजराज, शिवकुमार जाट एव हल्का पटवारी मोके पर पहुचे एव हल्का पटवारी द्वारा आगजनी का पंचनामा तैयार किया जा रहा है वही कैलारस पुलिस भी जांच कर रही हैं में अपने परिवार के साथ भतीजी की शादी में गया था हमें शुभ सूचना मिली कि आपके मकान में आग लग गई हे हम लोग आए देख सब कुछ जलकर राख हो गया हे हमारा गहना नगदी घर गृहस्थी का सामान लगभग 20 से 30 लाख का स्वाहा हो गया हे पुलिस राजस्व विभाग मौके पर आए जांच कर ले गए हे फायर बिग्रेड ने आग बुझाई।

बालक के गले मे आरपार हुई लकड़ी निकालकर बचाई जान

डॉ शरद शर्मा की सराहनीय पहल

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। सिविलअस्पताल सबलगढ़ में पदस्थ सर्जन डॉ शरद शर्मा ने एक बार फिर सराहनीय कार्य कर एक गरीब बच्चे की जान बचाई है।हुआ यह कि ग्राम बनथर ब्लॉक सबलगढ़ के रहने वाले श्री नरसी केवट के 8 वर्षीय पुत्र कनुआ केवट के गले में भैंस चराते वक्त गिरने से लकड़ी गले में आर पार हो गई जिससे उसे सांस लेने में तकलीफ आ रही थी और गर्दन को भी हिला नहीं पा रहा था।उसे तुरंत सिविलअस्पताल सबलगढ़ लाया गया जहां डॉ शरद शर्मा ने देखा कि लकड़ी को सीधे खींचने पर गले की नसों के कटने का डर था, गर्दन हिलाने पर नसों में कांटा फसने से खून काफी बह रहा था। इस गम्भीर हालत में सर्जन डॉ. शरद शर्मा एवं सहायक डॉक्टर रेवानंद शर्मा जी की सूझबूझ से उसे सावधानी से बाहर निकाल लिया गया। मरीज अब पूरी तरह ठीक है और उसके परिवारजन भी खुश हैं और धन्यवाद दे रहे हैं कि उसे जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज नहीं ले जाना पड़ा। उल्लेखनीय है कि डॉ शरद शर्मा पूर्व में भी जटिल ऑपरेशन कर अनेक गरीबों को जीवनदान दे चुके हैं।

टेरर टैक्स के रूप में 50 हजार मांगे, मामला दर्ज

मुरैना,कांस। शहर के हनुमान चौराहे पर जूते-चप्पलो की दुकान करने वाले दुकानदार से दुकान चलाने के नाम पर टेरर टैक्स के रूप में पचास हजार रूपये मांगने वालो के खिलाफकोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हनुमान चौराहे पर जूते-चप्पलो के दुकानदार मुकेश चावला से आरोपी सेवक, धुन्धी, जीते एवं राहुल समस्त जाति गुर्जर निवासी मसूदपुर ने दुकानदार से कहा कि अगर तुम्हें दुकान चलाना है तो हमें टैरर टैक्स के रूप में पचास हजार रूपये देने होगे। इस मामले की जानकारी पीडित दुकानदार ने थाना पुलिस को दी तो पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपियो के खिलाफबीएनएस की धारा 119,45(2),351(5) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

किशोर सहित दो फांसी पर झूले

मुरैना,कांस। जिले के कैलारस एवं जौरा थाना क्षेत्र में अलग-अलग किशोर सहित दो ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कैलारस थाना क्षेत्र के पचेखा में निवास करने वाले राघवेन्द्र पुत्र बद्रीप्रसाद कुशवाह उम्र 37 साल ने अपने घर के कमरे में फांसी का फन्दा लगाकर झूल गया जिससे युवक की मौत हो गई। इसी प्रकार जौरा थाना क्षेत्र के एसएफग्राउण्ड में रहने वाले 17 वर्षीय किशोर सोनू पुत्र विनोद गौड ने अपने निवास पर फांसी का फन्दा लगाकर झूल गया जिससे उसकी मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही मौका पंचनामा बनाकर शवो का पीएम कराकर उन्हें उनके परिजनो को सौपकर मर्ग कायम कर जांच में लिए गए है।

मर्ग जांच पर से आरोपी के खिलाफमामला दर्ज

मुरैना,कांस। सिविल लाइन थाना पुलिस ने संजय नगर जौरा हाल निवासी विक्रम नगर में करने वाली 15 वर्षीय किशोरी राधा शाक्य को आरोपी कपिल पुत्र दीवान गुर्जर निवासी दौरावली थाना नूराबाद हाल विक्रम नगर मुरैना विगत 6-7 माह से लडकी पर शादी के लिए दवाब डाल रहा था, शादी न करने पर उसे तेजाब डालकर जान से मारने की धौस देता था,आरोपी की प्रताडना से परेशान होकर किशोरी ने अपने घर पर आत्महत्या कर जीवन लीला समाप्त कर ली। थाना पुलिस ने मर्ग जांच पर से फरियादी पूरन पुत्र लोहरे बाथम निवासी संजय नगर जौरा की रिपोर्ट पर से आरोपी के खिलाफ 107,351(5) एवं एससी/एसटी के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरा नाम शैक्षणिक दस्तावेजो में सपना यादव पुत्री श्री ज्ञानसिंह यादव जन्म दिनांक 15.7.2002 अंकित है, जबकि मेरे आधार कार्ड (क्रमांक 979279829760) में मेरा नाम त्वटिवश प्रियांशी पुत्री श्री ज्ञानसिह यादव अंकित है, जो कि गलत है। मेरा सही व वास्तविक नाम सपना यादव पुत्री श्री ज्ञानसिंह यादव है, इसी नाम से मुझे जाना-पहचाना एवं पुकारा जाता है।।

अतः यह आम सूचना सर्व साधारण हेतु सादर प्रकाशित है, जो समय पर काम आवें।

सूचनाकर्ता
सपना यादव पुत्री
श्री ज्ञानसिंह यादव
ग्राम खनेता, तहसील
जौरा,जिला मुरैना (म.प्र.)

जनजातीय कला और शिल्प हमारी लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर : राज्यपाल

जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए राज्य सरकार के प्रयास सराहनीय

राज्यपाल श्री पटेल शिल्प ग्राम महोत्सव समापन कार्यक्रम में शामिल हुए

भोपाल,ब्यूरो।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय द्वारा सदियों से संरक्षित खान-पान, लोक कलाएं, शिल्प, वस्त्र, आभूषण, उपकरण और चिकित्सा पद्धतियां सभी हमारी अनमोल धरोहर है। हमारी इस लोक संस्कृति का संरक्षण और प्रोत्साहन समाज का दायित्व है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित मौलिक, स्वाभाविक, कला, शिल्प और संस्कृति की सृजनशीलता को निखार कर व्यवसायिक बनाने के प्रयासों की सराहना की है।

राज्यपाल श्री पटेल तीन दिवसीय शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन कार्यक्रम को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। महोत्सव का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वन्या प्रकाशन, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के समन्वय से किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने समापन कार्यक्रम के पूर्व सभागार में उपस्थित कलाकारों के पास पहुंचे और समक्ष में उनसे चर्चा की। कार्यक्रम में राज्यपाल को बैतूल जिले के शिल्पकारों की बेल मेटल से बनी जनजातीय कलाकृति स्मृति प्रतीक के रूप में और महोत्सव के प्रशिक्षणार्थी शिल्पियों, कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों का सेट भेंट किए गए। राज्यपाल का वरिष्ठ गोंड कलाकार श्री आनंद श्याम ने पारंपरिक गोंड परंपरा के अनुसार साफा और बीरन माला से स्वागत किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय को सक्षम बना कर उनके विकास और खुशहाली के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं।पूरे देश में जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों के सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर को उठाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे में सुधार और आजीविका के कार्य %धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान% के तहत किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की अति पिछड़ी जनजातियों जिनमें राज्य के बैगा, भारिया, सहरिया जनजातीय समुदाय शामिल हैं, उनके लिए जनमन योजना के तहत सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजाति समुदाय की आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल को वर्ष 2047 तक समाप्त करने का संकल्प किया है। संकल्प की सफलता के लिए सरकार और समाज को मिलकर आगे आना होगा। राज्य सरकार द्वारा अभियान के रूप में कार्यवाही करते हुए प्रदेश की 1 करोड़ 6 लाख जनजातीय बहनों-भाईयों की स्क्रीनिंग कर ली है। स्क्रीनिंग में 2 लाख 6 हजार से अधिक वाहक और 28 हजार से अधिक रोगी मिले है। सभी को आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। सिकल सेल की गर्भावस्था में और प्रसूति के 72 घन्टों के भीतर नवजात की जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी गई है। वर्ष 2047 तक रोग उन्मूलन के लिए समुदाय को दो बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। पहली, हर गर्भवती महिला की गर्भावस्था में और नवजात शिशु की 72 घन्टों के भीतर जांच हो जाए। दूसरी, जेनेटिक कार्ड मिलाकर ही विवाह संबंध तय किए जाए। किसी एक के रोगी, वाहक होने पर विवाह किया जा सकता है, किन्तु रोगी युवक-युवती का आपस में विवाह नहीं होना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने जनजातीय समुदाय के गौरव रानी दुर्गावती और बिरसा मुण्डा का संदर्भ देते हुए कहा कि समुदाय को उनके गौरव से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के प्रयास करने होंगे। शिक्षा प्रगति की पहली सीढ़ी होती है। संतान को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाएं। सरकार द्वारा शिक्षा के लिए समुदाय को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने जनजातीय समुदाय विशेषकर युवाओं को सामाजिक कुरीतियों के प्रति आगाह किया, कहा कि प्रगति के लिए प्राथमिक आवश्यकता व्यसनों से दूर रहना है।

स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा इंदौर में होगी स्थापित : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने किया भूमि-पूजन

स्वामी विवेकानंदजी का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा और आत्मबोध का प्रतीक

इंदौर को मिलेगा नया सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र

भोपाल,ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में इंदौर के सिरपुर स्थित देवी अहिल्या सरोवर उद्यान में स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्थापना के लिए भूमि-पूजन किया। महापुरुषों के जीवन दर्शन को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। यह भव्य प्रतिमा स्वामी जी की शिक्षाओं और दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में संत परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और उनमें से स्वामी विवेकानंद विलक्षण संत थे। उन्होंने निराकार ईश्वर के उपासक के रूप में मानवता की सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि मैं देखूंगा तो ही मानूंगा जो उनके तर्कशील और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शरीर के माध्यम से जीवन सेवा का मंत्र दिया और आत्मनिर्भरता का आशीर्वाद प्राप्त कर मृत्यु पर विजय प्राप्त की। उन्होंने दुर्बलता और हीनता को जीवन का हिस्सा मानने से इनकार करते हुए इसे मृत्यु के समान बताया। उनका विश्वास था कि साहस, सामर्थ्य और आत्मबल के सहारे व्यक्ति सभी कमजोरियों को पार कर सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा और आत्मबोध का प्रतीक था। शिकागो धर्म संसद में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का जीवंत उदाहरण है, जिसने विश्व पटल पर भारत की संस्कृति और अध्यात्म का ध्वज लहराया।

उन्होंने जीवन को अंदर से बाहर की ओर विकसित करने का मंत्र दिया और कर्म को ही साधना बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंदजी के सिद्धांत और विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए, ताकि समाज का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। यह मूर्ति स्थापना इस दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही यहां पर लाइब्रेरी की भी स्थापना की जाए, जिसमें स्वामी विवेकानंद से संबंधित साहित्य हो। इससे युवाओं को जीवन में सफलता के लिये मार्गदर्शन मिलेगा और जीने की नई राह मिलेगी।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि यह प्रतिमा न केवल युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से अवगत कराएगी, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए भी प्रेरित करेगी।

स्वामी जी के आदर्श आज के युवाओं के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं और यह स्मारक उनके विचारों को स्थायी रूप देगा। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायकगण श्रीमती मालिनी गौड़, श्री रमेश मेंदोला तथा श्री राकेश शुक्ला, पूर्व विधायक श्री जीतू जिराती और श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री सुमित मिश्रा सहित प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज विवाह समारोह में फिजूल खर्ची रोकेगा: अग्र मिलन

अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर की 527वीं बैठक हुइ

ग्वालियर,नसं.। अग्रवाल समाज भविष्य में समाज में होने वाली शादियों में फिजूल खर्ची रोकने के लिये सामूहिक पहल करेगा। इसके साथ ही विवाह समारोह में 36 प्रकार के व्यंजन की जगह सीमित व्यंजनों की पहल करेगा और भोजन थाली में भोजन की बर्बादी रोकने के लिये भी अभियान चलायेगा। आज अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर की 527वीं बैठक में अग्रवाल के सदस्यों ने इस बाबत सहर्ष स्वीकृति दी। अग्रवाल समाज के समाजसेवी राजीव वैश्य के निवास श्रीनाथ भवन रविनगर पर आयोजित 527वीं बैठक व परिचय सम्मेलन में समाज के प्रमुख डा. रामबाबू गोयल, मुकेश अग्रवाल, विनय अग्रवाल, डा. एलडी गर्ग, प्रो. डीपी अग्रवाल, प्रबुद्ध कुमार गर्ग, एडवोकेट प्रकाश गोयल आदि ने सामूहिक रूप में यह अभियान चलाने पर सहमति दी।

उन्होंने कहा कि यह भोजन बर्बादी का अभियान हमें इस नारे के साथ चलाना होगा उतना ही भोजन थाली में, व्यर्थ न जाये नाली में। समाज के प्रमुख लोगों ने कहा कि हमें शादी व्याह में दिखावे के फेर से बाहर निकलकर समाज हित में योगदान देना होगा और समाज के सभी सदस्यों को साथ लेकर चलना होगा। बैठक एवं परिचय सम्मेजन में 29 अभिभावकों ने अपने विवाह योग्य पुत्र पुत्रियों के परिचय का वाचन किया। इससे पूर्व महाराजा अग्रसेन चालीसा का पाठ कर भगवान अग्रसेन की आरती उतारी।

बीएससीए ने मनाई कवि गुरु टैगोर की जयंती

ग्वालियर,नसं.। बंगाली सोशल एंड कल्चरल एसोसिएशन के तत्वावधान में कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर जयंती का भव्य आयोजन मानस भवन में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बंगाली समुदाय के लोगों ने भाग लिया और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गुरुदेव की रचनाओं से प्रेरित गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी का मनमोह लिया। विशेष रूप से कला चलो रे गीत पर प्रस्तुत नृत्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस कार्यक्रम में जिन कलाकारों ने भाग लिया, उनमें श्रीमती बनानी दे, श्रीमती गायत्री सरकार, श्रीमती लीना जाना, श्रीमती रजनी मित्रा, श्रीमती देविका, मिस खुशी मजूमदार, डॉ. सुकृति घोष और डॉ. एन. एन. लाहा प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम में के. डी. बिस्वास, रूपेन्द्र सरकार, संजय मजूमदार, सौरभ बनर्जी, श्रीमती रैना बनर्जी, प्रवीर मित्रा, बिवाश डे, मृणाल कांति रॉय, संजय मुखर्जी, अवीक मजूमदार, श्रीमती निवेदिता बनर्जी और डॉ. आशा मुकुल जाना शामिल थे।

मानसून के पहले भोपाल शहर के सभी नाले-नालियों का वृहद सफाई अभियान

मंत्री श्री सारंग ने नगर निगम अधिकारियों को भोपाल के सभी नाले-नालियों की सफाई के दिये निर्देश

भोपाल

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को भोपाल शहर में नाले-नालियों की वृहद रुप से साफ-सफाई अभियान अंतर्गत नरेला विधानसभा के प्रभात चौराहे पर ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मानसून में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए वृहद रूप से सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भोपाल शहर के सभी नाले-नालियों की सफाई सुनिश्चित होगी। साथ ही नालों में लोग कचरा न डालें इसके लिए जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान भोपाल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मानसून के पहले भोपाल के सभी नाले-नालियां होंगे साफ

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस बार मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि मानसून भोपाल में एक सप्ताह पहले प्रवेश करेगा। इसे देखते हुए भोपाल शहर के सभी नाले नालियों की सफाई वृहद के लिये अभियान की शुरुआत की गई है।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष मानसून पूर्व नगर निगम सफाई अभियान चलता है। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि इस कार्य की शुरुआत पहले से ही कर दी जाए। इससे समय पर सफाई कार्य पूर्ण हो सकेगा और भविष्य में जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं होगी।

मंत्री श्री सारंग ने जनजागरण और कचरा प्रबंधन पर दिया जोर

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मशीनों के माध्यम से समुचित रूप से नालों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी और इसके साथ यह भी ध्यान रखा जाएगा कि जिन क्षेत्रों में नाले आसपास स्थित हैं, वहाँ के निवासियों को हिदायत दी जाए कि वे नालों में कचरा न डालें। इस दिशा में जन जागरण अभियान भी चलाया जाएगा इससे नागरिकों को नालों की स्वच्छता बनाए रखने की महत्ता समझाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि पॉलीथीन जैसे अपशिष्ट पदार्थ नालों में जल प्रवाह को अवरुद्ध करते हैं।

खजुराहो-हज़रत निज़ामुद्दीन वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का दतिया स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये गाड़ी संख्या 22469/22470 खजुराहो-हज़रत निज़ामुद्दीन वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का दतिया रेलवे स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या एवं गाड़ी का नाम	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी	
				प्रारंभिक स्टेशन से	दतिया स्टेशन पर ठहराव
22469 खजुराहो-हज़रत निज़ामुद्दीन वन्दे भारत एक्स. (सोमवार को छोड़कर)	दतिया (DAA)	18:42	18:44	खजुराहो स्टेशन से 13.05.25	13.05.25
22470 हज़रत निज़ामुद्दीन-खजुराहो वन्दे भारत एक्स. (सोमवार को छोड़कर)		09:59	10:01	हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन से 13.05.25	13.05.25

गाड़ी संख्या 22469/22470 खजुराहो-हज़रत निज़ामुद्दीन वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का दतिया रेलवे स्टेशन पर ठहराव के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निम्न स्टेशनों पर आगमन/प्रस्थान के समय में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन	वर्तमान समय	संशोधित समय
22469	ग्वालियर	19:25-19:30	19:28-19:33
22470	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	10:25-10:30	10:30-10:35
	टीकमगढ़	12:21-12:23	12:21-12:23
11902	दतिया	09:47-09:49	09:47-09:49
	करारी	10:17-10:18	10:13-10:14

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 820/25(A)

!! उठावनी !!

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि अशोक कुमार शर्मा की पूज्यनीय माताजी

श्रीमती कमलादेवी शर्मा

(धर्मपत्नी स्व. श्री अशाराम जी उपाध्याय)
का स्वर्गवास 10 मई 2025, दिन शनिवार को हो गया है।
जिनकी उठावनी दिनांक **12 मई 2025,**
दिन सोमवार को दोपहर 02 बजे से 04 बजे तक है।

स्थान : निज निवास, बंशी रहीश का खरंजा, पीपल वाली माता, मुरैना

-: शोकाकुल परिवार :-

रामनिवास शर्मा, रामप्रकाश शर्मा, भगवतीप्रसाद शर्मा, महावीर शर्मा, पप्पू शर्मा, मनीष शर्मा, राहुल शर्मा, अंकित शर्मा, मोहित शर्मा, निखिल शर्मा, अर्पित शर्मा, विशेष शर्मा, देवांश शर्मा, रोहन शर्मा एवं समस्त उपाध्याय परिवार

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954